राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 07 अगस्त 2024 वर्ष–7,अंक–195 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राजस्थान में बांध के पानी में बस बही; हिमाचल में 87 सड़कें ब्लॉक

बाढ़, बारिश, लैडस्लाइड से 87 की मौत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश के सभी हिस्सों में मानसून जमकर सक्रिय है। राजस्थान के टोंक में टोरडी सागर डैम ओवरफ्लो होने से मंगलवार सुबह एक बस बांध के तेज बहाव में बह गई। ड्राइवर लापता है। बस में यात्री नहीं थे। जैसलमेर में सोनार फोर्ट की एक दीवार ढह गई। पिछले 36 घंटे में 11 लोगों की मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड और बाढ़ के कारण 87 सडक़ें बंद हैं। राज्य में 6,7 और 8 अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट है। शिमला के रामपुर के पास समेज गांव में रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन जारी है। कुल्लू, मंडी और शिमला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में 13 लोगों की मौत हुई थी। 40 लोग लापता हैं। वहीं देशभर में पिछले 24 घंटे के अंदर 87 लोगों की बाढ़, बारिश और लैंडस्लाइड से जान गई है।

उत्तराखंड में 17 हजार का रेस्क्यू

भारी बारिश के कारण लैंड स्लाइड और बाढ़ प्रभावित 17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। इनमें केदारनाथ यात्रा में फंसे तीर्थयात्री भी शामिल हैं। अब प्रभावित इलाकों में क्षतिग्रस्त पुल, बिजली के खंबे और कम्युनिकेशन लाइनों को ठीक करने का काम जारी है।

अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें 2 की मौत यात्रा मार्ग पर हुई है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भी बाढ़ से हालात खराब हैं।

खडक़वासला डैम से पानी छोड़े जाने के बाद मुथा नदी उफान है। इसके कारण एकता नगर में पानी भर गया है।

मप्र में 24.4 इंच पानी गिरा

मप्र में मानसून की एंट्री से अब तक 45 दिन में औसत 24.4 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 65 प्रतिशत है। भोपाल, मंडला, सिवनी, नर्मदापुरम समेत 7 जिलों में 30 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है।

राज्य में अगले एक सप्ताह भारी बारिश का दौर थमा रहेगा। प्रदेश से ऊपर मानसून ट्रफ के निकलने और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कमजोर होने से ऐसा होगा।

मुकेश भाकर 6 माह के लिए निलंबित

विधायक मुकेश भाकर को 6 माह के लिए निलंबित.....जाने क्यों

जयपुर । (एजेंसी)

राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को बजट सत्र के अंतिम दिन की कार्यवाही खत्म होने से पहले स्पीकर वासुदेव देवनानी द्वारा विधायक मुकेश भाकर को 6 माह के लिए निलंबित किया गया है। सोमवार से धरने पर बैठे कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर का निलंबन रद्द करने पर अड़े थे। पूरा मामला सोमवार को विधानसभा में लंच ब्रेक के बाद शुरू हुआ जब स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष के बीच संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल के बेटे को सरकारी वकील बनने को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई। जूली मामले पर चर्चा के लिए अड़ गए, इसपर स्पीकर ने कहा कि नियमों में आइए, कल व्यवस्था दूंगा। जूली ने कहा कि एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता लागू हो चुकी है, लेकिन भजनलाल सरकार ने 12 से ज्यादा सरकारी वकीलों की नियुक्ति सीआरपीसी के तहत कर दी है। ये संविधान का उल्लंघन है। इस पर सदन में चर्चा हो। जूली मामले पर चर्चा करवाना चाह रहे थे, लेकिन स्पीकर देवनानी ने मुद्दे को आगे अनुमति देने से इंकार किया। स्पीकर ने कहा, पहले लिखित में दीजिए, आप कौन से नियम के तहत चर्चा चाहते हैं। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष की स्पीकर से नोकझोंक हो गई। इसके बाद नाराज कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान भाकर ने हंगामा करने लगे। आरोप है कि भाकर ने इस दौरान स्पीकर की तरफ उंगुली से इशारा कर दिया। इसी के बाद पूरा विवाद बढ़ गया।

तिहाड़ के बाहर भाजपा का प्रदर्शन.....केजरीवाल इस्तीफा दो

नई दिल्ली ।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को तिहाड़ जेल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, इसकारण दिल्ली का विकास नहीं हो पा रहा है। केजरीवाल सरकार दिल्ली को लूटने का काम कर रही है। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां थीं, इन पर लिखा था, दिल्ली का विकास ठप, केजरीवाल इस्तीफा दो, दिल्ली हुई बदहाल, केजरीवाल इस्तीफा दो, और दिल्ली का प्रशासन हुआ पंगु, केजरीवाल इस्तीफा दो। प्रदर्शनकारियों ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के साथ ही दिल्ली की राजनीति में एक नई गर्माहट आ गई है। बता दें, इसके पहले दिल्ली भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने सीएम केजरीवाल पर लोकतांत्रिक प्रशासनिक प्रक्रिया में विश्वास नहीं करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि साल 2022 से 31 जुलाई 2024 तक केजरीवाल सरकार के मंत्रिमंडल की 71 में से 56 सर्कुलेशन बैठकें हुईं थी और इन बैठकों में सीएम केजरीवाल ने अपना मनमाना निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया हर सरकार की नींव होती है। केजरीवाल सरकार संविधान की अवहेलना कर रही है।

डायमंड कंपनी का अपने 50 हजार कर्मचारियों को सवेतन 10 दिन की छुट्टी पर भेजने का फैसला

सूरत .

सूरत के हीरा उद्योग के इतिहास में पहली बार कर्मचारियों के लिए लंबी छुट्टी का ऐलान किया गया है और वह भी सवेतन के साथ. सूरत के किरण जैम्स नामक हीरा कंपनी अपने 50000 कर्मचारियों को 10 दिन की छुट्टी पर भेजेगी और इन 10 दिनों के दौरान कंपनी में कोई कामकाज नहीं होगा. इस छुट्टी के पीछे हीरा उद्योग की मंदी बताई जा रही है. गुजरात के सूरत में देश की सबसे बड़ी हीरा उत्पादक कंपनी किरण जेम्स ने अपने 50,000 कर्मचारियों को 10 दिन की छुट्टी पर भेजने का निर्णय किया है। कंपनी ने सभी कर्मचारी 18 अगस्त से 27 अगस्त तक छुट्टी पर रहेंगे. खास बात यह है कि कंपनी इस अवधि के दौरान सभी कर्मचारियों को वेतन भी देगी। कंपनी ने हीरे की घटती मांग को नियंत्रित करने के लिए यह फैसला लिया है। कंपनी की मानें तो कंपनी ने हीरा उद्योग बुरे दौर से गुजर रहा है और बाजार में पॉलिश किए गए हीरों की मांग भी घट गई है. कंपनी के चेयरमैन वल्लभभाई लाखानी ने कहा कि हमने 10 दिनों की छुट्टी की घोषणा की है ताकि हम हीरे के उत्पादन को नियंत्रित कर सकें। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार ऐसा फैसला लिया है. दिवाली के दौरान हीरा कारखानों में लंबी छुट्टी रहती है. लेकिन कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजकर कंपनी हीरे की मांग और कीमत दोनों बढ़ाकर हीरा उद्योग को फायदा पहुंचाना चाहती है। कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजने के साथ-साथ कंपनी कर्मचारियों को 10 दिन का वेतन भी देगी. किरण जेम्स कंपनी में 50 हजार से ज्यादा हीरे पॉलिश करने वाले काम करते हैं7 इनमें से 40,000 कर्मचारी प्राकृतिक हीरों को काटते और पॉलिश करते हैं जबकि 10,000 श्रमिक प्रयोगशालाओं में हीरे तराशते हैं। किरण जेम्स कंपनी एक साल में 17 हजार करोड़ रुपए का बिजनेस करती है। ऐसे में वैश्विक मांग में गिरावट के बाद 2024 की दूसरी तिमाही में हीरे के उत्पादन में पहली तिमाही की तुलना में 15 फीसदी की गिरावट आई है।

हेल्थ इंश्योरेंस से जीएसटी वापस ले सरकार....इंडिया का प्रदर्शन

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी बढ़ाए जाने को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि हर आपदा से पहले टैक्स का अवसर तलाशना भाजपा सरकार की असंवेदनशील सोच का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी मुक्त करना ही होगा।

हेल्थ इंश्योरेंस से जीएसटी वापस लेने की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी (आप) सहित कई दल शामिल हुए। इस दौरान विपक्षी दलों के सांसदों ने हाथ में तख्ती लेकर हेल्थ इंश्योरेंस से जीएसटी वापस लो के नारे भी लगाए। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, जीवन में आने वाले स्वास्थ्य संकट में किसी के आगे झुकना ना पड़े, इसलिए पाई-पाई जोड़ कर हर साल हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भरने वाले करोड़ों लोगों से भी मोदी सरकार ने 24 हज़ार करोड़ रुपये वसूल लिए। इंडिया गठबंधन इस अवसरवादी सोच का विरोध करता है। स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी मुक्त करना ही होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा, आज संसद के प्रांगण में इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी तुरंत हटने की मांग की क्योंकि ये यह जबरदस्ती

उगाही हमारी जनता, खासकर मध्यम वर्ग पर कड़ा प्रहार है। मध्यम वर्ग पहले से ही मोदी सरकार की टैक्स वसूली नीतियों के बोझ तले जूझ रहा है। 2024 में भारत का चिकित्सा महंगाई दर एशिया में सबसे अधिक 14 प्रतिशत पर है। कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से लिखा, मोदी सरकार ने अपने वसूली बजट में हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस सेवाओं पर जीएसटी बढ़ा दिया है। इससे जनता को इन सुविधाओं के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। मोदी सरकार की इस वसूली के खिलाफ इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

जयशंकर ने बताया.....अभी भारत में ही रहेगी शेख हसीना

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बांग्लादेश के ताजा हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा को बताया कि वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आनन-फानन में भारत आने का अनुरोध किया और भारत सरकार ने उनके सुरक्षित भारत आने की व्यवस्था की।

भारत सरकार बांग्लादेश में अपने नागरिकों के संपर्क में है। वर्तमान में वहां करीब 90 हजार भारतीय मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ढाका के भारतीय उच्चायुक्त और चिटगांव के सहउच्चायुक्त हमें लगातार रिपोर्ट भेज रहे हैं। हम बांग्लादेश में अल्पंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश हमारे बहुत करीब है। जनवरी से ही वहां टेंशन है। बांग्लादेश में हिंसा जून जुलाई में हुई।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बांग्लादेश में हालात बदले और हालात इसतरह के बदले कि शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा। जयशंकर ने कहा कि सबसे ज्यादा वहां अल्पसंख्यकों पर हमले चिंता के विषय हैं।

शेख हसीना फिलहाल के लिए भारत में हैं।

राज्यसभा में उठा रील्स बनने के नाम पर अश्लीलता को बढ़ावा का मामला

-माननीय सांसदों ने सरकार से कदम उठाने को कहा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

संसद के मानसून सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इंस्टाग्राम रील्स का मुद्दा उठाया। रील्स बनाने वालों पर भड़के प्रोफेसर यादव ने कहा कि लोग इसतरह के वस्त्र पहनते हैं, कि नजरें झुक जाती हैं। सांसद यादव ने कहा कि किसी भी समाज में न्यूडिटी और एल्कोहलिज्म बढ़ जाता है तब कई सभ्यताएं नष्ट हो जाती हैं।

प्रोफेसर यादव ने मोदी सरकार से रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की और जनसंघ के जमाने से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सुरक्षा का नारा भी याद दिलाया। प्रोफेसर यादव ने कहा कि आज स्थिति ये है, कि कुछ प्लेटफॉर्म अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं। विशेषकर इंस्टाग्राम रील्स का नाम लेना चाहूंगा। सपा सांसद ने कहा कि अनुमानों के मुताबिक युवा हर रोज औसतन तीन घंटे इंस्टाग्राम पर रील्स देखने, भद्दे सीरियल्स और भद्दे प्रोग्राम देखने में बिता रहे हैं। प्रोफेसर यादव ने कहा कि आए दिन ऐसी खबरें देखने को मिल रही हैं कि इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई, शादी हुई इसके बाद लड़के ने लड़की का मर्डर कर दिया। इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। वहीं, महाराष्ट्र से एनसीपी सांसद फौजिया खान ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण बच्चों पर पड़

रहे प्रभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने पुणे में एक बच्चे के सुसाइड का भी जिक्र कर इस लेकर नियम बनाने की मांग की। इसके पहले, पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने भी सोशल मीडिया के द्वारा नफरत फैलाने का मुद्दा उठाया। आप सांसद विक्रमजीत ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए ऐसा कुछ लिखा था हम सदन में बोल भी नहीं सकते।

बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर में तोड़फोड़, पूर्व राष्ट्रपति के घर में लगाई आग

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बाद देश में जारी अशांति के बीच बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में स्थित मेहरपुर में एक इस्कॉन मंदिर में तोड़फोड़ और आग की खबर मिली है। इस्कॉन मंदिर पर हमला हिंसा की व्यापक लहर का हिस्सा है। इस्कॉन के प्रवक्ता युधिष्ठिर गोविंदा दास ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि मेहरपुर में इस्कॉन केंद्र को जला दिया गया है। केंद्र में रहने वाले भक्त वहां से बचकर निकल आए हैं। हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के नेता काजोल देबनाथ ने बताया कम से कम चार हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और उन्हें मामूली नुकसान पहुंचा

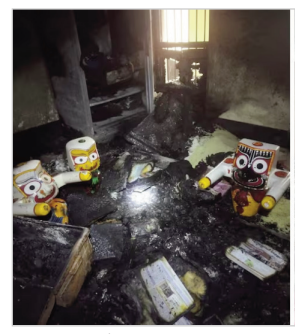

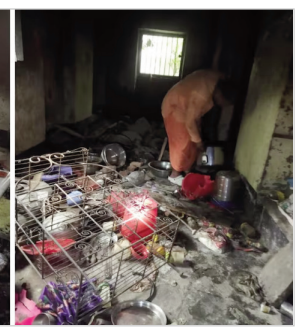

है। भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र को हिंसा में नुकसान पहुंचा है।

ढाका में प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख स्थानों पर आग लगा दी, जिसमें बंगबंधु भवन भी शामिल है, जो बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान का निजी निवास है, जो शेख हसीना के पिता हैं। विरोधी प्रदर्शन, जो सिविल सेवा नौकरियों के लिए आरक्षण को खत्म करने के आह्वान के रूप में शुरू हुआ, प्रदर्शनकारियों और उनकी अवामी लीग पार्टी के समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों के बाद शेख हसीना के पद छोड़ने की मांग में बदल गया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए।

सर्वदलीय बैठक खत्म, शेख हसीना कहां लेंगी शरण इस पर संशय बरकरार

बांग्लादेश के हालात पर भारत रख रही पैनी नजर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बांग्लादेश में फैली अराजकता को लेकर भारत में भी मंथन चल रहा है। केंद्र सरकार ने शेख हसीना सरकार के नाटकीय पतन के बाद बांग्लादेश में विकास पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी दी। मंत्रियों ने कहा कि अगर बांग्लादेश में स्थिति बिगड़ती है तो सभी जरुरी कदम उठाए जाएंगे। वहां के हालात पर भारत की पैनी नजर है। सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेता ने भी अपनी बात रखी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी मौजूदा हालात की जानकारी दी।

संसद भवन में चल रही सर्वदलीय बैठक खत्म हो गई है लेकिन अभी तक ये साफ नहीं हो पाया कि शेख हसीना का अगला कदम क्या होगा? वहीं दिल्ली में पुलिस बल बढ़ा दिया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अभी कुछ समय तक शेख हसीना भारत में ही रह सकती हैं। गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच भारत पहुंचीं शेख हसीना का मिलिट्री विमान बांग्लादेश वापस लौट गया है। विमान में हसीना मौजूद नहीं थीं। दरअसल, पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना सोमवार को भारत आ गई थीं। वह फिनलैंड जा सकती हैं। पहले ये खबर आई थी कि शेख हसीना पहले दिल्ली आएंगी फिर यहां से वह लंदन रवाना हो जाएंगी लेकिन अब खबर है कि शेख हसीना फिनलैंड जा सकती हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में जानकारी दी और सभी दलों के सर्वसम्मत समर्थन के लिए उनकी सराहना की। एक्स पर पोस्ट में जयशंकर ने बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। विदेश मंत्री ने लिखा-आज संसद में एक सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान जताए गए

सर्वसम्मत समर्थन और तालमेल के लिए सभी दलों की सराहना करता हूं। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच पीएम शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने से वहां अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मौत के घर

सर्वोच्च न्यायालय की एक ताजा तल्ख टिप्पणी अब इतिहास में दर्ज हो गई है। न्यायालय ने दोटूक कह दिया कि वास्तव में ये स्थान (कोचिंग सेंटर) मौत के घर बन गए हैं। सबसे खास पहलू यह है कि अदालत ने कोचिंग सेंटर हादसे का स्वयं संज्ञान लिया है। ऐसे कम ही अवसर आते हैं, जब सर्वोच्च न्यायालय किसी मसले को स्वयं संज्ञान योग्य समझता है। अत- संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने जो उद्गार प्रकट किए हैं, उसके शब्दों को सकारात्मक रूप में लेने की जरूरत है। इसमें कोई शक नहीं कि 27 जुलाई को मध्य दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में एक आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत कोई सामान्य घटना नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने उचित ही कहा है कि कोचिंग सेंटर देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले अभ्यर्थियों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करने के साथ ही, यह भी कहा है कि यह घटना आंखें खोलने वाली है और किसी भी संस्थान को तब तक संचालन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जब तक कि वह सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं करता है। मतलब, कोचिंग संस्थान तब तक ऑनलाइन काम कर सकते हैं, जब तक कि वे सुरक्षा मानदंडों और बुनियादी सुविधाओं को पूरा नहीं करते हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि कोचिंग आज एक बड़ा व्यवसाय है, कोचिंग संस्थानों के बीच कमाने की होड़ लगी है और हर संस्थान ज्यादा से ज्यादा छात्रों को अपने दायरे में लाना चाहता है। यह बहुत दुखद है कि ऐसे संस्थानों का फोकस छात्रों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता पर नहीं है। अनेक ऐसे संस्थान हैं, जिन्होंने शुरू में बहुत उम्दा काम किया, छात्रों व युवाओं का सही मार्गदर्शन किया, पर अब वे शिक्षा की दुकान की तरह बन गए हैं, जहां पैसे का तो मूल्य है, पर जीवन और शिक्षा की गुणवत्ता हाशिये पर धकेल दी जा रही है। सर्वोच्च न्यायालय अगर ऐसे प्रतिकूल या बिगड़े हुए माहौल में आमूलचूल सुधार की कोशिशों को आगे बढ़ा सके, तो हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। न्यायालय की भावना के अनुरूप ही सरकारों को नियम-कायदों की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। यह बहुत जरूरी है कि न्यायालयों की गंभीरता बनी रहे, तभी समस्याओं को जड़ से उखाड़ा जा सकेगा। वैसे, गौर करने की बात है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को ही कोचिंग हादसे की जांच दिल्ली पुलिस से लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। उच्च न्यायालय भी यह चाहता है कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो। मतलब, सीबीआई के हाथों में एक बड़ी जिम्मेदारी है। इस प्रकरण में दूध का दूध और पानी का पानी करना होगा। अव्वल तो दोषियों की पहचान जरूरी है और दूसरी बात, दोष घटित होने की पूरी प्रक्रिया को समझना भी आवश्यक है। मामला किसी एक संस्थान की खामी का नहीं है, बल्कि समग्रता में व्यवस्था की लापरवाही या उदासीनता का है। यह जानना ही होगा कि ऐसे जानलेवा संस्थानों को चलाने और बचाने के जतन करने वाले लोग कैसे काम करते हैं? अगर खामियों का सही खुलासा हुआ, तो कोचिंग संस्थानों के संचालन की नीति बनाने में सुविधा होगी। पुख्ता समाधान तक न्यायालयों की सक्रियता बनी रहनी चाहिए।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

विश्व युद्ध का अंदेशा और बांग्लादेश में सेना का तख्ता पलट

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

पिछले कुछ समय से दुनियां के शक्तिशाली देशों के हालात सही नहीं चल रहे हैं। विकसित ही क्यों विकासशील छोटे-छोटे देशों का हाल भी बुरा है। इसे आर्थिकमंदी से जोड़कर देखा जा रहा है। जनसंख्या बढ़ रही है, रोजगार कम हो रहे हैं और मंदी के चलते महंगाई चरम पर है। इस पर विकट समस्या यह है कि अधिकांश देश अपने पड़ोसी देश को दुश्मन देश मानकर हमले करने पर उतारु दिख रहे हैं। पड़ोसी देश एक-दूसरे से या तो लड़ रहे हैं या फिर लड़ने को आतुर नजर आ रहे हैं। बात कुछ भी न हो, तब भी तनातनी का माहौल बराबर बना हुआ है। यहां देखा जा सकता है कि एक तरफ रुस और यूक्रेन भिड़े हुए हैं। दूसरी तरफ हमास के हमले के बाद इजराइल अमेरिका की मेहरबानी से गाजा में फिलस्तीन से लेकर तमाम पडोसी मुल्कों से भिड़ने का दंभ भरे हुए है। हमास चीफ हानिया को ईरान में साजिशन हत्या कराए जाने के बाद मामला और बिगड़ चुका है। दुश्मनों से घिरे इजराइल को ढांढस बंधाने का काम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडन कर तो रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी भी तो परेशानियां हैं, क्योंकि जिस तरह से अमेरिका ने यूक्रेन को उकसाने का काम किया वैसे ही रुस भी अमेरिका के खिलाफ उत्तर कोरिया को इस संकट वाली स्थिति में खड़ा कर सकता है। ऐसा इसलिए भी कहना उचित होगा, क्योंकि उत्तर कोरिया के प्रमुख नेता किम जोंग उन ने अपनी फंट लाइन आर्मी यूनिट को 250 परमाणु सक्षम मिसाइल लांचर तैनात करने के लिए उपलब्ध करा दिए हैं। यही नहीं किम जोंग उन ने तो अमेरिकी खतरे का मुकाबला करने के लिए सेना को परमाणु क्षमताओं को और बढ़ाने का संदेश देते हुए तैयार रहने को भी कह ही दिया। इस प्रकार उत्तर कोरिया का परमाणु हथियारों पर जोर देने का मकसद दक्षिण कोरियाई सीमा पर सेना को मजबूत करना तो बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में देखा जाए तो अमेरिका को आंख दिखाने जैसा यह काम किया गया है। इनकी तैनाती बताती है कि दक्षिण कोरिया के साथ ही अमेरिका की राहें भी अब मुश्किल होने वाली हैं। यदि इजराइल की नेतन्याहू सरकार के बचाव में अमेरिका कदम आगे बढ़ाता है तो एक महायुद्ध का बिगुल भी बज जाएगा। इससे महज गाजा और आसपास के देश ही नहीं बल्कि अन्य देशों पर भी संकट के बादल छा जाएंगे। अनेक देश तब युद्धभूमि का हिस्सा होने के तौर पर चिहिन्त किए जाएंगे। ऐसे में अमेरिका को उसके अपने घर में चुनौती देने वाली ताकतें भी फिर चुप न बैठेंगी। बहरहाल यहां हम बात बांग्लादेश के सैन्य तख्ता पलट कर करने जा रहे हैं, जहां छात्र आंदोलन ने हिंसक रुप लेकर सब कुछ तहस-नहस करने जैसा कर दिखाया है।

ऐसे माहौल में जब हम अपनी नजरें भारत और उसके तमाम पड़ोसी मुल्कों के हालात पर डालते हैं तो पाते हैं कि यहां पर भी कोई बेहतर स्थिति नहीं है। सभी अपनी घरेलु समस्याओं में उलझे हुए हैं। आर्थिक और राजनीतिक हालात भी बेहतर नहीं कहे जा सकते हैं। पाकिस्तान में तो मौजूदा सरकार की स्थिरता को लेकर ही शंकाएं विद्यमान हैं। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी को लेकर पाकिस्तान की राजनीति आज तक गर्माई हुई है। ऐसे में बलूच मामले ने भी तूल पकड़ा हुआ है। बलूच समर्थक लोग तो पुलिस व सेना से दो-दो हाथ करने को आतुर दिखते हैं। यह मामला अभी चल ही रहा था कि बांग्लादेश से सेना का तख्ता पलट की अचानक अचंभित करने वाली खबर भी आ गई है। बांग्लादेश में आरक्षण की आग जंगल में लगी आग साबित हुई है। इस मामले को लेकर हिंसक प्रदर्शन, मौतों के बढ़ते आंकड़े और इसी बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का अपने पद से इस्तीफा दे देना। पूर्व नियोजित तो कदापी नहीं था, लेकिन देश के हालात इस कदर बिगड़े कि शेख हसीना को देश ही छोड़ देना पड़ा है। अब सेना ने देश की कमान संभाल ली है, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं कि बहुत जल्द बांग्लादेश के हालात सुधरने जा रहे हैं। इस पूरे मामले में जमात-ए-इस्लामी को बैन करना भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक तौर पर एक शक्तिशाली संगठन होने के नाते देश की राजनीतक शतरंज में जमात-ए-इस्लामी के लीडरों का रोल अहम माना जा रहा है। ऐसे में शेख हसीना का बतौर प्रधानमंत्री वाला अध्याय भले ही क्लोज हो गया हो, लेकिन देश में सेना के इशारे पर अंतरिम सरकार कौन चलाएगा और किन मुद्दों पर किस तरह से फैसला लिया जाएगा, अभी इस पर बराबर सवाल उठते रहेंगे और जवाब के लिए समय का इंतजार करना होगा।

इन तमाम सवालों से पहले बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटित हुआ उसमें प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दिया। सेना की मदद से ही शेख हसीना अपनी छोटी बहन शेख रेहाना के साथ ढाका से सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिए भारत पहुंचीं और यहां से वो लंदन रवाना होने के लिए प्रयासरत हैं। यह पहला अवसर नहीं है कि शेख हसीना को भारत में शरण लेनी पड़ी है, बल्कि इससे पहले 1975 में भी उन्होंने अपनी बहन के साथ भारत का रुख किया था। तब भारत में इंदिरा गांधी की सरकार थी जिसने उन्हें राजनीतिक शरण देने का काम किया था। तब शेख हसीना करीब 6 साल भारत में गुजारे थे। दरअसल 15 अगस्त 1975 को शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की उनके निवास पर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। यह वह काला दिन था जबकि शेख हसीना के परिवार के करीब 17 लोगों की हत्या की गई थी। इस खूनी हमले से शेख हसीना और उनकी बहन इसलिए बच गईं थीं क्योंकि उस समय वो जर्मनी में थीं।

बहरहाल बांग्लादेश के एक बार फिर हालात बिगड़े हैं और इसी बीच बांग्लादेश के सेना प्रमुख वेकर उज जमान ने ऐलान किया है कि सेना ने देश की कमान संभाल ली है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत का रास्ता खुले होने की बात कही है। सेना प्रमुख हर मसले का हल बातचीत से निकालने का आव्हान भी करते दिखते हैं। वो कहते हैं कि इस हिंसा और विरोध प्रदर्शन से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। उन्होंने अराजकता खत्म कर, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की बात भी कही। बहरहाल राजनीतिक पकड़ मजबूत करने देश को संभालने और लोगों का विश्वास जीतने उन्होंने राष्ट्रपति से चर्चा कर एक अंतरिम सरकार

बनाए जाने का भी ऐलान कर दिया है। इसी बीच बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया, जिससे राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आए हैं।

यह समझने वाली बात है कि सेना प्रमुख जिस विश्वास के साथ कह रहे हैं कि देश में इस समय कर्फ्यू या आपातकाल लगाने की आवश्यक्ता नहीं है। रातों-रात समस्या का समाधान निकालने की बात भी की जा रही है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं यह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पदच्युत करने की साजिश का हिस्सा तो नहीं था, जिसमें पूरी सरकार ही फंस गई। इतिहास दोहराने जैसा काम भी यह लगता है। बहरहाल प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने पद से इस्तीफा दे चुकीं है और अंतरिम सरकार बहुत जल्द बना ली जाएगी। ऐसे में कामना की जा सकती है कि बांग्लादेश के हालात बहुत जल्द सामान्य हो जाएंगे, जो कि पड़ोसी देश के लिए भी सही ही होंगे। क्योंकि पड़ोसी मुल्क की आग सीमा पार कब कर जाए कहा नहीं जा सकता है। ऐसे में हालात पर नजर रखते हुए सतर्क रहने की आवश्यकता भी है। भारत सरकार ने सीमा पर इसका पुख्ता इंतजाम कर रखा है। इसलिए ज्यादा चिंता की बात तो नहीं है, लेकिन घुसपैठियों से निपटना वाकई एक बड़ी समस्या है, क्योंकि जब संकट में फंसे लोग जान बचाने देश छोड़ सीमा पार करते हैं तो इनकी आड़ में बड़ी संख्या में आतंकवादी भी बॉर्डर क्रॉस कर उत्पात मचाने से बाज नहीं आते हैं। यह भारत के साथ पाकिस्तान बनने से लेकर अब तक की सबसे बड़ी समस्या रही है। इस पर नकेल कसने के लिए सीमाओं पर बारीक नजर रखने और जवानों की और तैनाती करने की यदि आवश्यकता आन पड़ती है तो वह भारत सरकार को करना होगा। चूंकि अभी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने फिर से सिर उठाया हुआ है, ऐसे में बांग्लादेश की समस्या भारत के लिए भी मुसीबत साबित हो सकती है। इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यहां कहना गलत न होगा कि भारत दुनियां का एकमात्र विश्वबंधुत्व के साथ सर्वेभवन्तु सुखिन- का मंत्र फूंकने वाला देश है, जिसके प्रयासों से विश्वयुद्ध की आंशकाओं को टाला भी जा सकता है। संभवत- यही वजह है कि दुनियां के तमाम देशों की नजरें इस समय भारत पर टिकी हुई हैं।

आया सावन, बड़ा मन भावन, रिमझिम सी पड़े फुहार

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(हरियाली तीज पर)

सावन के इस महीने में पेड़ पर या फिर दलान में झूला डालकर उन्मुक्त हवाओ की सैर की जाए,यह महिला की ख्वाहिश होती है ।महिलाओं की सोच है कि भारतीय संस्कृति से जुड़े सावन के लोकगीत गाकर अपनी संस्कृति को जिंदारखने की हर संभव कोशिश भी होती रहे। गांव गांव और शहर शहर जैसे जैसे हरियाली तीज का त्यौहार नजदीक आता है, रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच सावन की बहार भी आनी शुरू हो जाती है। लगभग हर गांव व हर शहर में पेड़ों पर या फिर घरो में झूले पड़े मिल जाते है। हालांकि जगह की कमी के चलते और संयुक्त परिवार के अभाव में अब झूले भी अतीत बनते जा रहे है।

सावन में कभी गर्मी पड़ती है तो थोड़ी देर में ही बरसात आकर तन-मन को भिगो देती है। सावन का प्रिय व्यंजन घेवर है जिसे खाने-खिलाने की होड़ सी लगी रहती है। घेवर ही सावन माह की खास मिठाई है। मंदिरों में वेद,पुराण व भागवत की कथाएं चलती रहती है। भंडारे होना भी आम बात हैं। विवाहित महिलाएं अपने मायके आकर यह त्यौहार मनाने की कोशिश करती हैं तो नवविवाहिताओं को सिंधारा जिसे कोथली भी कहते है, भिजवाई जाती है। तीज चूंकि सावन माह का पर्व है और कल्याणकारी भगवान शिव की स्तुति, उपासना व प्रार्थना का दौर विशेष रूप से इस माह में चलता है ।सावन माह में जब प्रकृति ने हरियाली की चादर ओढ़ी होती है, तब हर किसी के मन में उन्मुक्तता के मोर नाचने लगते हैं. पेड़ों की डाल पर या फिर घरो के दलान में झूले पड़ जाते हैं. सुहागन स्त्रियों के लिए यह व्रत बहुत ही महत्वपूर्व है. आस्था, सौंदर्य और प्रेम का यह उत्सव भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. चारों तरफ हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं. इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, गाती हैं और खुशियां मनाती हैं. महिलाएं इस दिन उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का जाप करें. पूजा शुरू करने से पूर्व काली मिट्टी से भगवान शिव और मां पार्वती तथा भगवान गणेश की प्रतिमा बनाकर स्थापित करे ।फिर थाली में सुहाग की सामग्रियों को सजा कर माता पार्वती को अर्पण करें व भगवान शिव को उनके वस्त्र अर्पण करें।

तीज का कथासार है कि शिव पार्वती से कहते है, पार्वती तुमने मुझे अपने पति रूप में पाने के लिए 107 बार जन्म लिया, किन्तु मुझे पति के रूप में पा न सकीं. 108 वीं बार तुमने पर्वतराज हिमालय के घर जन्म लिया. तुमने मुझे वर के रूप में पाने के लिए हिमालय पर घोर तप किया था. इस दौरान तुमने अन्न-जल त्याग कर सूखे पत्ते चबाकर दिन व्यतीत किये। मौसम की परवाह किए बिना तुमने निरंतर तप करती रही. तुम्हारी इस स्थिति को देखकर तुम्हारे पिता बहुत दु:खी और नाराज़ थे. परन्तु तुम वन में एक गुफा के भीतर मेरी आराधना में लीन थी. भाद्रपद तृतीय शुक्ल को तुमने रेत से एक शिवलिंग का निर्माण कर मेरी आराधना की जिससे प्रसन्न होकर मैंने तुम्हारी मनोकामना पूर्ण की. इसके बाद तुमने अपने पिता से कहा कि 'पिताजी, मैंने अपने जीवन का लंबा समय भगवान शिव की तपस्या में बिताया है और भगवान शिव ने मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर मुझे स्वीकार कर लिया है. अब मैं आपके साथ एक ही शर्त पर चलूंगी कि आप मेरा विवाह भगवान शिव के साथ ही करेंगे. पर्वतराज ने तुम्हारी इच्छा स्वीकार कर ली और तुम्हें घर वापस ले गये. कुछ समय बाद उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ विवाह किया. हे पार्वती! भाद्रपद शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के परिणाम स्वरूप हम दोनों का विवाह संभव हो सका. इस व्रत का महत्त्व यह है कि इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने वाली प्रत्येक स्त्री को वांछित फल मिलता है. भगवान शिव ने पार्वती जी को वरदान दिया कि इस व्रत को जो भी स्त्री पूर्ण श्रद्धा से करेंगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगी.

सावन आते ही महिलाएं अपने भाई-भाभी व बहनो से मिलने की उम्मीद करने लगती हैं। वे अपने पति व सास से अपने मायके जाने की विनय प्रार्थना करने लगती हैं ।गीत भी है, बहुत दिना हो गए पिया मोय, सावन शुगन मनाऊंगी, भैया आयो मोय लिवावे, मैं पीहर कू जाऊंगी ।वही सावन आने की प्रार्थना भी कुछ इस तरह से की जाती है, कच्चे नीम की निबौरी, सावन जल्दी अईयो रे, अम्मा दूर मत दीजौ, दादा नहीं बुलावेंगे, भाभी दूर मत दीजौ, भइया नहीं बुलावेंगे ।सावन में तीज पर झूले पर झूलती हुई किशोरियों को देखकर उनके मन की उन्मुक्तता का अहसास होता है। लड़कियां पेड़ व मुंडेरों पर बैठी हुई चिड़ियों को देखकर अपने मन के भाव को कुछ यूं प्रकट कर देती हैं ,

पेड़ पै दो चिड़ियां चूं-चूं करती जाएं, वहां से निकले हमारे भइया, क्या-क्या सौदा लाए जी, मां को साड़ी, बाप को पगड़ी और लहरिया लाए जी, बहन की चुनरी भूल आए, सौ-सौ नाम धराए जी।

इसके अलावा,

राधा रानी के नथ पे मोर, नाचे थई-थई

महिलाएं ससुराल में झूला झूलती है तो उनकी सहेलियां उनसे मज़ाक करने से भी नहीं चूकती। वे कहती हैं, दुरानी-जिठानी ताने मारती, हे री काहे की तेरी मात, काहे के तेरे वीर, तू झूले अपने सासरे री।

झूला झूलती महिलाओं में कोई लंबी पीगें बढाती है तो कोई झोंटा देकर उन्हें हवा में उछालती हैं। महिलाएं गाती हैं,

झूला तो पड़ गए अमुआं की डार पै ।

तीज पर मेंहदी रचाने का सबका जुनून रहता है। राधा-कृष्ण को भी कुछ इस तरह याद किया जाता है ,

आया सावन, बड़ा मन भावन, रिमझिम सी पड़े फुहार, राधा झूल रही कान्हा संग,दिल हुआ बाग बाग।

निश्चित ही सावन की तीज महिलाओं के लिए खास खुशी और उन्मुक्तता का पर्व है ।जिसके माध्यम से विवाहिताओं का मायके से मिलन का भी अवसर बनता है ।तीज के लोकगीतों से भारतीय संस्कृति व लुप्त होते जा रहे झूले को भी प्राण वायु मिलती है।

विचार मंथन

बांग्लादेश का तख्ता पलट भारत के लिए सबक

(लेखक-सनत जैन)

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 2009 के बाद से लगातार प्रधानमंत्री के पद पर बनी रही। उन्होंने 15 साल लगातार शासन किया। उनके कार्यकाल में देश ने आर्थिक प्रगति की। शुरुआती दो कार्यकाल उनकी लोकप्रियता के थे। लगातार सत्ता में बने रहने से उनका अहंकार बढ़ गया। प्रशासन और न्यायपालिका में सरकार का हस्तक्षेप बढ़ गया। इसी बीच भ्रष्टाचार भी बढ़ा। चुनाव के पहले विपक्षी पार्टियों के ऊपर उनकी दमनात्मक कार्यवाही के बाद माहौल बिगड़ना शुरू हो गया। चुनाव का मुख्य विपक्षी पार्टी ने बहिष्कार किया था। आम जनता के हितों की भी अनदेखी की जा रही थी। न्यायपालिका भी सरकार के हित में सारे निर्णय कर रही थी। आम जनता को कहीं से भी न्याय नहीं मिल पा रहा था। चुनाव हुआ, कहा गया 40 फ़ीसदी मतदान हुआ है। लेकिन मतदान में गड़बड़ी करने के आरोप लगे। लोकतंत्र समर्थन की प्रतीक शेख हसीना लगातार सत्ता में रहने के कारण तानाशाही के साथ शासन करने लगी थी। जिसके कारण असंतोष बढ़ता जा रहा था। हाल ही के चुनाव में जिस तरह से उन्होंने बहुमत हासिल किया था। उससे उनकी भारी बहुमत की सरकार तो बन गई। लेकिन उन्होंने अपना जन समर्थन खो दिया था। आम जनता के मन में यह संदेश था, जोड़-तोड़ करके शेख हसीना ने चुनाव जीता है। पिछले कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने मानव अधिकारों के हनन और असहमति को दबाने पर चिंता व्यक्त की थी। इसके बाद भी शेख हसीना ने अपना तानाशाही वाला शासन जारी रखा। कुछ दिन पहले उन्होंने आरक्षण को लेकर एक निर्णय लिया, जिसका भारी विरोध हुआ। हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर मोहर लगा दी। उसके बाद से ही बांग्लादेश के छात्र और युवा सड़कों पर आ गए। बांग्लादेश के सभी शहरों में शुरुआती दौर में छात्र आंदोलन में शामिल हुए। बाद में इसमें अन्य लोग भी जुड़ते चले गए। आंदोलन उग्र होता चला गया। शेख हसीना की सरकार ने आंदोलन को दबाने के लिए बल का प्रयोग किया। छात्रों और प्रदर्शनकारियों के ऊपर लाठी चार्ज, अश्रु गैस से आंदोलन नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। जब आंदोलन नहीं थमा, तो पुलिस को गोलियां चलानी पड़ी। इससे आंदोलन और उग्र हो गया। 300 से ज्यादा आंदोलनकारियों की मौत हो गई। आंदोलनकारी भीड़ ने गुस्से में 14 पुलिस कर्मियों की मार मार कर हत्या कर दी। इसके बाद पूरे बांग्लादेश में कर्फ्यू लगा दिया गया। 3 दिन से इंटरनेट बंद था, सारा कारोबार ठप्प हो गया था। बांग्लादेश के सभी शहरों में आंदोलनकारी सड़कों पर आ गए। शेख हसीना की सरकार जनता के बीच विश्वास पूरी तरह से खो चुकी थी। सोमवार की दोपहर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर बांग्लादेश से भागना पड़ा। सेना ने किसी तरीके से स्थिति को संभाला। शेख हसीना को सुरक्षित रूप से निकलकर उन्हें बांग्लादेश छोड़ने का रास्ता दिया। आंदोलनकारियों पर सेना ने बल प्रयोग करने के आदेश को वापस लिया। शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के सरकारी आवास में घुस गए। बंग बंधु मुजीबर्र रहमान की प्रदर्शनकारियों ने मूर्ति तोड़ने की कोशिश की। बांग्लादेश की तीनों सेना के प्रमुख एक साथ सामने आए। सत्ता की बागडोर सेना ने संभाली। सेना ने कहा है, वह जल्दी ही एक अंतरिम सरकार का गठन करेंगे। जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। शेख हसीना के कार्यकाल में जिस तरीके से आर्थिक विकास हुआ। उसको लेकर उनके मन में अहंकार आ गया था। संवैधानिक संस्थाओं पर उनका कब्जा होता चला गया। सरकार जो वह कहती थी, वही संवैधानिक संस्थाएं कर रही थी। जिसके कारण शेख हसीना का विरोध बढ़ता ही जा रहा था। हाल ही में हुए बांग्लादेश के चुनाव को जिस तरह की धांधलीबाजी से जीता गया था। उससे जनता के बीच में उनकी लोकप्रियता और विश्वसनीयता खत्म हो चुकी थी। हाल ही के वर्षों में उन्होंने आरक्षण के जरिए सरकार के प्रमुख पदों पर अपने निष्ठवान लोगों को भरना शुरू कर दिया था। जिसके कारण आरक्षण का विरोध हो रहा था। अहंकार से वशीभूत शेख हसीना आरक्षण बढाती जा रही थी। जो लोग सरकार का विरोध करते थे, उन्हें गद्दार कहकर संबोधित किया जा रहा था। हजारों प्रदर्शनकारियों को जेल में बंद कर दिया गया था।आंदोलन को सख्ती के साथ दबाया जा रहा था। आंदोलन में सैकड़ो लोगों की मौत हो गई। जिसके कारण जनआक्रोश सड़कों पर आ गया। बांग्लादेश की घटना भारत के लिए एक सबक है। यहां की सभी संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। न्यायपालिका और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता तेजी के साथ खत्म हो रही है। भारत में जिस तरह की स्थिति बनी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीजल से अधिक सीएनजी कारें बिकी

मुंबई । भारत में पहली बार सीएनजी कारों की बिक्री बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। अभी तक डीजल कारों की सबसे ज्यादा बिक्री होती थी। अब यह ट्रेंड पूरी तरह से बदल गया है। अप्रैल से जून माह की तिमाही में 18.3 फ़ीसदी सीएनजी कारों की बिक्री हुई है। वहीं डीजल कारों की बिक्री घटकर 18 फ़ीसदी रह गई है। मारुति सुजुकी की कारें सबसे ज्यादा बिकी हैं। भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत गैस की तुलना में काफी ज्यादा है। सीएनजी कारों में लोगों की रुचि बढी है। पिछले कुछ वर्षों में सीएनजी कारों की बैटरी, स्पीड और गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जिसके कारण वाहन चालकों का सीएनजी कारों के प्रति,पहले जो डर और भय था। अब वह खत्म हो रहा है।

एकम्स ड्रग्स के आईपीओ ने सुस्ती के साथ किया बाजार में प्रवेश

मुंबई । एकम्स ड्रग्स आईपीओ बाजार में सुस्ती के साथ प्रवेश कर गया है। एनएसई और बीएसई पर एकम्स ड्रग्स का शेयर मंगलवार को 725 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ, जो 679 रुपये के प्राइस बैंड से मात्र 6.8 फीसदी ज्यादा है। बाजार विशेषज्ञ ने एकम्स ड्रग्स के शेयर 780 से 800 रुपये प्रति शेयर के बीच लिस्ट होने के अनुमान जताया था जबकि कंपनी के शेयर मात्र 725 रुपये पर लिस्ट हुए। एक समय एकम्स ड्रग्स का ग्रे बाार प्रीमियम 181 रुपये तक चल रहा था। ग्रे मार्केट प्रीमियम निवेशकों की किसी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड से ज्यादा मूल्य पर भुगतान करने की इच्छा को दिखाता है। एकम्स ड्रग्स आईपीओ को कुल मिलाकर 63.56 गुना सब्सक्राइब किया गया था। एनएसई के सब्सक्रिप्शन स्टेटस डेटा के अनुसार इस इश्यू को 96.36 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए बिड्स मिली हैं जबकि ऑफर में 1.51 करोड़ शेयर ही थे। पब्लिक इश्यू को रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 21.30 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 42.21 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का पोर्शन 90.09 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के मुख्य बोर्ड ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 646 से 679 रुपये के प्रति इक्विटी शेयर पर तय किया था।

एसपी समूह ने कहा- पीएफसी से मिले उसके ऋण में दोहरी सुरक्षा संरचना है

नई दिल्ली । शापूरजी पलोनजी समूह ने मंगलवार को कहा कि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन से मिले उसके ऋण में दोहरी सुरक्षा संरचना है, जिसमें मिस्त्री परिवार के स्वामित्व वाले टाटा संस के शेयरों का एक हिस्सा भी शामिल है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) से प्राप्त ऋण को डिफॉल्ट से बचाव बताने वाली खबरों का खंडन करते हुए एसपी समूह ने कहा कि उसकी रियल एस्टेट फेंचाइजी से प्राप्त नकदी प्रवाह से ऋण का निर्धारित अवधि में पूरा भुगतान सुनिश्चित होगा। समूह ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमने पिछले नौ महीनों में पीएफसी के साथ मिलकर एक अनूठा प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें एसपी समूह की बड़ी रियल एस्टेट फेंचाइजी की ताकत के साथ-साथ मिस्त्री परिवार के स्वामित्व वाले टाटा संस के शेयरों के एक हिस्से का लाभ उठाते हुए दोहरी सुरक्षा संरचना है। इसमें कहा गया कि इससे ऋण मूल्य के छह गुना से अधिक सुरक्षा मूल्य मिलता है। रियल एस्टेट फेंचाइजी से प्राप्त नकदी प्रवाह से ऋण का समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा। समूह ने कहा कि सम्पूर्ण प्रस्ताव को प्रतिष्ठित तृतीय पक्ष सलाहकारों द्वारा मान्य ठहराया गया है। एसपी समूह के अनुसार उसे 14 जून 2024 को पीएफसी बोर्ड की मंजूरी के बाद औपचारिक स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ था। सूत्रों के हवाले से कुछ खबरों में कहा गया था कि पीएफसी के स्वतंत्र निदेशकों ने एसपी समूह को हाल ही में दिए गए 15,000 करोड़ रुपये के ऋण पर सवाल खड़े किए हैं।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ के लिए दी हरी झंडी

नई दिल्ली ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस और मनबा फाइनेंस समेत पांच कंपनियों को बाजार नियामक सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के मुताबिक आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में बाजार स्टाइल रिटेल, डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड और दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया भी शामिल हैं। दूसरी तरफ सेबी ने 31 जुलाई को संथान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को वापस कर दिया। इसके साथ ही सेबी ने एसके फाइनेंस की प्रस्तावित 2,200 करोड़ रुपये की आरंभिक शेयर बिक्री पर लगी रोक हटा दी है। सेबी के अपडेट के मुताबिक मार्च और जून के बीच आईपीओ संबंधी दस्तावेज दाखिल करने वाली पांच कंपनियों को 30 जुलाई से पांच अगस्त के दौरान नियामकीय अवलोकन पत्र मिले हैं। अवलोकन पत्र पाने का मतलब सार्वजनिक निर्गम जारी करने की मंजूरी से है। दस्तावेजों के मुताबिक बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। यह शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक के उन नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना जरूरी है। मनबा फाइनेंस का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से 1.26 करोड़ शेयरों का एक नया निर्गम होगा और इसमें कोई ओएफएस नहीं होगा। फिलहाल महाराष्ट्र स्थित मनबा फाइनेंस में प्रवर्तकों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इन कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

रुपया 25 पैसे बढ़कर 83.84 प्रति डॉलर

मुंबई । वैश्विक बाजारों और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर 25 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में उछाल से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.85 पर रहा।

फर्स्टक्राई का आईपीओ खुला, 4193 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

मुंबई । फर्स्टक्राई ब्रांड नाम से छोटे बच्चों के कपड़े और खिलौनों बेचने वाली कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) खुल गया है। फर्स्टक्राई बच्चों और शिशुओं की खरीदारी के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक है। कंपनी का मुख्यालय पुणे में है। फर्स्टक्राई ने इस पब्लिक इश्यू के जरिये 4193.73 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का आईपीओ 6 अगस्त को बोली लगाने के लिए खुल गया और यह गुरुवार को सब्सक्राइब करने के लिए बंद हो जाएगा। जो निवेशक इस आईपीओ में पैसा लगाना चाहते हैं वे दांव लगाने से पहले इस इश्यू से जुड़ी जरूरी बातें जान लें। फर्स्टक्राई के आईपीओ में 35,827,957 शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 1666 करोड़ रुपये तक है। कंपनी ने 2 रुपये प्रति शेयर के फेस वैल्यू के साथ 54,359,733 शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव भी रखा है, जो कुल मिलाकर 2527.73 करोड़ रुपये तक है। फर्स्टक्राई ने आईपीओ के नेट ऑफर का 75 फीसदी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 10 प्रतिशत से अधिक रिटेल इन्वेस्टर्स और 15 फीसदी नॉन-इन्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए रिजर्व रखा है। कंपनी ने अपने आईपीओ लिए प्राइस बैंड 440-465 रुपये प्रति शेयर तय किया है। लॉट साइज 32 शेयर है। फर्स्टक्राई आईपीओ के लिए बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को मिनिमम 14,880 रुपये लगाने होंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 166 , निफ्टी 63.05 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 166 अंकों नीचे आकर 78,593.07 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 63.05 अंक नीचे आकर 23,992.55 पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार में भारी गिरावट रही थी।

आज कारोबार के दौरान 17 शेयरों में गिरावट रही जबकि 13 में बढ़त रही। इंडेक्स ने दिन की शुरुआत तेज बढ़त के साथ की और 1,092.68 अंक करीब 1.38 फीसदी की वृद्धि के साथ 79,852.08 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, पर बाद में बिकवाली के दबाव में 78,496.57 के निचले स्तर पर फिसल गया।

आज इंट्रा-डे कारोबार में ये 327 अंक तकरीबन 1.35 फीसदी बढ़कर 24,382.60 तक पहुंचा पर इसे बनाये नहीं रखा जा सका। बाजार जानकारों के अनुसार एशियाई बाजारों का भी प्रभाव बाजार पर पड़ा। निवेशक बढ़ते हुए येन, कमजोर अमेरिकी आर्थिक डेटा को देखकर सतर्कता बरत रहे हैं।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये।

वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बढ़त रही। आरबीआई मौद्रिक नीति समिति ने आज से तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू किया। आरबीआई गवर्नर गुरुवार को द्विमासिक नीति की घोषणा करेंगे।

वहीं एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और शंघाई में तीव्र बढ़त देखी गई, जबकि हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई। जापान के निक्केई 225 शेयर सूचकांक ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 10.7 फीसदी की बढ़तर रही जबकि पिछले दिन यह 37 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार नीचे आये हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को गहरी गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 10,073.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले और बीएसई सेंसेक्स 921 अंक बढ़कर 79,680 पर पहुंच गया जबकि निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 262 अंक बढ़कर 24,318 के स्तर पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर टाटा मोटर, लार्सन एंड टुब्रो और ओएनजीसी के शेयर खुलते ही चढ़ गए जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया कारोबार में फिसल गए। इसी तरह बीएसई पर टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स और एलएंडटी में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई

रिलायंस इंडस्ट्रीज का जलवा 21 साल से बरकरार

मुंबई ।

देश के प्रमुख रईसों में शो मिल मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार 21 सालों से फॉर्च्यून ग्लोबल लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए है। कोई भी भारतीय कंपनी इतने लंबे समय तक इस लिस्ट में बनी नहीं रह सकी है। यह इसका अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड है। फॉर्च्यून ने अपनी वेबसाइट पर 2024 की लिस्ट जारी करते हुए कहा कि पिछले साल इसका रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर था। ऑयल एंड नेचुरल गैस लिमिटेड (ओएनजीसी)और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मगर ओएनजीसी 22 स्थान फिसलकर नंबर 180 और बीपीसीएल 25 स्थान नीचे जाकर 258वें नंबर पर आ गई हैं। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स ने 66 पायदान की लंबी छलांग मारी है। टाटा ग्रुप की यह कंपनी अब 271वें नंबर पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक 306वें नंबर और गोल्ड एवं डायमंड ज्वेलरी बनाने वाले राजेश एक्सपोर्ट्स सूची में 463वें नंबर पर मौजूद हैं। वालमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर, अमेजन नंबर दो पर पहुंची फॉर्च्यून के अनुसार, अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर रही है।

पिछले साल नंबर 4 पर रही अमेजन 2024 की लिस्ट में नंबर 2 पर आ गई है। सऊदी अरामको 2023 में नंबर 2 से गिरकर नंबर 4 पर आ गई है। हालांकि, 121 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ यह लगातार तीसरे साल लिस्ट में सबसे ज्यादा प्रॉफिट वाली कंपनी बनी हुई है। चीन की सरकारी कंपनी स्टेट ग्रिड लिस्ट में नंबर 3 पर रही है। टॉप 10 में और चीनी कंपनियां भी हैं। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सालाना रैंकिंग है जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों को उनके कुल राजस्व के आधार पर सूचीबद्ध करती है। यह सूची अमेरिकी पत्रिका फॉर्च्यून की ओर से प्रकाशित की जाती है।

भारत का स्वर्ण उद्योग नए संघ का गठन करेगा

मुंबई । भारतीय स्वर्ण उद्योग ने क्षेत्र में विश्वास की कमी को दूर करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भारतीय स्वर्ण उत्कृष्टता एवं मानक संघ (आईएजीईएस) के गठन की मंगलवार को घोषणा की। यह विश्व स्वर्ण परिषद द्वारा समर्थित एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के एक क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि आईएजीईएस के लिए रूपरेखा स्वतंत्र रूप से संचालित और पेशेवर रूप से प्रबंधित की जाएगी। इसे जल्द ही जारी किया जाएगा, जिसके बाद सदस्यता की घोषणा की जाएगी। संगठन के इस साल दिसंबर या जनवरी 2025 तक काम शुरू करने की उम्मीद है। आईएजीईएस का गठन राष्ट्रीय उद्योग संघों द्वारा किया जाएगा, जिसमें इंडिया बुलियन एंडज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए), अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) और रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) शामिल होंगे। जीजेईपीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि आईएजीईएस का गठन भारतीय स्वर्ण उद्योग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह नैतिकता पारदर्शिता तथा स्थिरता के उच्चतम मानकों को स्थापित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारा लक्ष्य एक साथ मिलकर सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना, उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ताओं और उद्योग हितधारकों के बीच विश्वास को बढ़ावा देना है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल से भारतीय टैक्सटाइल उद्योग को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में हो रही हिंसा से वहां का ेयापार लगभग ठप सा पड़ गया है। बांग्लादेश दुनिया का एक प्रमुख टैके सटाइल निर्यातक देश है। वह हर महीने 3.5-3.8 बिलियन डॉलर के परिधान निर्यात करता है। बांग्लादेश में मची उथल-पुथल से भारतीय टैक्सटाइल सेक्टर के दिन फिर सकते हैं। निर्यात का एक बड़ा हिस्सा भारत शिफ्ट हो सकता है। बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद अंतरराष्ट्रीय खरीदार विकल्प तलाश रहे हैं और उनकी नजर भारत की ओर है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर बांग्लादेश के निर्यात का 10-11 फीसदी तिरुपुर जैसे भारतीय केंद्रों में आता है, तो भारत को हर महीने 300-400 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त कारोबार मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर निर्यातक संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में ऑर्डर में 10 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। उनका कहना है कि

बांग्लादेश वर्तमान में हर महीने 3.5-3.8 बिलियन डॉलर मूल्य के परिधान निर्यात करता है, जो यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में जाते हैं। इसकी तुलना में भारत का मासिक कपड़ा निर्यात लगभग 1.3-1.5 बिलियन डॉलर ही है। भारतीय टेक्सप्रेन्योर्स फेडरेशन के एक अधिकारी का कहना है कि भारत की क्षमता 300-400 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त ऑर्डर को तुरंत संभालने की है। इसकी वजह से भारत और अन्य देशों को फायदा हो सकता है।

भारत डेयरी उद्योग में दुनिया में नंबर वन

भारत में दुग्ध उत्पादन बढ़कर 23.06 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।

देश ने पिछले 10 सालों में दुग्ध उत्पादन तथा मछली पालन के क्षेत्र में कई गुनी वृद्धि की है और निर्यात में भी बढ़ोतरी हुई है। केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन ने लोकसभा में आम बजट 2024-25 में अपने विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में डेयरी उत्पादन मूल्य 11.16 लाख करोड़ रुपए का है। उन्होंने कहा कि भारत मछली उत्पादन में विश्व में नंबर दो और डेयरी उद्योग में नंबर एक हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन वर्ष 2013-14 में 14.63 करोड़ टन से बढ़ कर 23.06 करोड़ टन हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन में छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हो रही है जबकि वैश्विक औसत वार्षिक वृद्धि दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि देश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र 68 प्रतिशत असंगठित है जिसे सरकार संगठित बनाने एवं उत्पादन और बढ़ाने का प्रयास करेगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मत्स्य उत्पादन की नीली क्रांति के लिए

पश्चिम बंगाल, केरल, आंध्रप्रदेश सहित सभी तटवर्ती राज्यों को भरपूर सहायता दी है। उन्होंने इन राज्यों को दी जाने वाली सहायता की राशि भी बताई। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत ये सहायता दी जा रही है। रंजन ने कहा कि देश में मवेशियों की संख्या भी बढ़ी है। गायों की संख्या 19.09 करोड़ से बढ़कर 19.30 करोड़ हुई है और भैंसों की संख्या 10.8 करोड़ से बढ़कर 11 करोड़ हो गयी है। मत्स्य पालन के उद्योग में 8.2 करोड़ लोग जुड़े हैं जबकि पशुपालन एवं डेयरी उद्योग से 12 करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। वर्ष 2013-14 में भारत में मछली उत्पादन 95.7 लाख टन था जो अब 2023-24 में 174.45 लाख टन हो गया। मत्स्य उद्योग में निर्यात के आंकड़ा साझा करते हुए कहा कि मछली का निर्यात वर्ष 2013-14 में 20213 करोड़ रुपए का था जो अब 60523 करोड़ रुपए का हो गया है।

बांग्लादेश में संकट से भारतीय कंपनियां हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में जारी राजनीतिक संकट से भारत की अर्थव्यवस्था प्रभो वित हो सकती है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और मुल्क में तख्तापलट होने के बाद सेना सत्ता की कमान संभाल ली है। इसका असर वहां की अर्थव्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। जिससे भारतीय कंपनियों का व्यापार भी प्रभावित हो रही हैं। कई भारतीय कंपनियों का बांग्लादेश के बाज़ार में बड़ा निवेश है और वहां स्थापित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से बड़ी संख्या में सामानों की आपूर्ति होती है। ऐसे में जिन कंपनियों का माल सीधे बांग्लादेश से आता है उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो उनके शेयरों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। लगैज निर्माता वीआईपी कंपनी की बांग्लादेश के बाहर 8 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं और लगभग 30-35 फीसदी माल की आपूर्ति यहां से होती है। मैरिको के लिए बांग्लादेश, इंटरनेशनल बिजनेस का एक अहम घटक है। कंपनी का 44 फीसदी रेवेन्यू बांग्लादेश से आता है। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी डाबर, जीसीपीएल और ब्रिटानिया के शेयर भी बांग्लादेश संकट के कारण फोकस में है।

डॉमिनोज पिज्जा स्टोर चलाने वाली कंपनी जूबलिएंट फूडवर्क्स के बांग्लादेश में 28 स्टोर्स हैं, जो इसकी सेल्स में एक फीसदी का योगदान देते हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट की सोर्सिंग के लिए हांगकांग और थाईलैंड के बाद बांग्लादेश सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक है। ट्रेंट, कपड़ों से जुड़े कारोबार में शामिल है और वेस्टसाइड स्टोर चलाती है। इन कंपनियों के अलावा टेक्सटाइल्स बिजनेस से जुड़ी कंपनियां और उनके शेयर बांग्लादेश से सामानों आपूर्ति कम होने से प्रभावित हो सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल पंजाब सहित कई राज्यों में सस्ता हुआ

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के भाव पर आधारित होती हैं। आपको बता दें कि भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर दिन सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिसका असर आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीज़ल के दामों पर पड़ सकता है। मंगलवार को बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 9 पैसे बढ़कर 107.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे बढ़कर 89.71 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और तंलगाना, असम, हिमाचल, मध्य प्रदेश में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ गए हैं। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 23 पैसे घटकर 104.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे घटकर 91.06 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, केरल, ओडिशा, पंजाब, तामिलनाडु, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई है।

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर,

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

तीसरा एकदिवसीय जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार को मेजबान श्रीलंका को कराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अगर वह ये मैच नहीं जीत पाती है। तो सीरीज हार जाएगी। सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरा श्रीलंका ने जीता है। ऐसे में तीसरा मैच अगर टाई भी रहता है तो भारतीय टीम सीरीज हार जाएगी। ऐसे मे भारतीय टीम के ऊपर श्रीलंका में सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले भारतीय टीम को 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। तब अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने भारतीय टीम को हराया था। उसके बाद से ही भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 एकदिवसीय सीरीज हुई हैं और सभी में भारतीय टीम जीती है।

भारत के पास इस सीरीज को जीतने का अवसर अब नहीं है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी एकदिवसीय सीरीज में अच्छी नहीं रही है। विशेषकर मध्यक्र रन नहीं बना पाया है। इसी कारण टीम इस प्रकार के हालातों में फंसी है। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है जिसपर कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अभी तक केवल 38 रन ही बना पाए हैं। इससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अब वह इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तक वह इसमें विफल रहे हैं। उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा।

श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करने का

तरीका अब तक भारतीय बल्लेबाज नहीं सीख पाये हैं। यहां तक कि स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक असफल रहे हैं। केवल रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में 64 रन बनाये थे।

टीम

भारत - शुभमन गिल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका - पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, जेफरी वेंडरसे

भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी उन्हीं की तरह खेलना होगा। भारत इस मैच में शिवम की जगह रियान पराग को अवसर दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं।

विनेश पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची

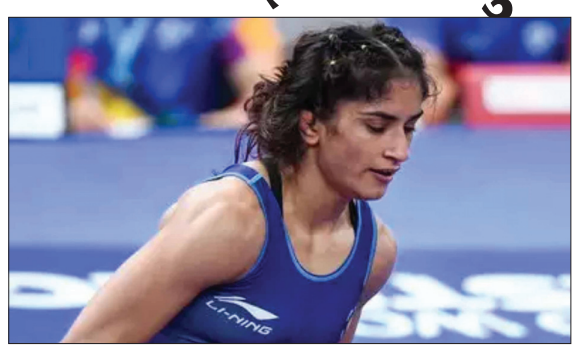

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। विनेश ने क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। इसए मुकाबले में विनेश शुरुआत से ही हावी विनेश ने शुरु में ही 4 अंक हासिल किए। इसके बाद से ही वह लगातार हावी रहीं।

विनेश ने जीत से अपना अभियान शुरु किया है। विनेश ने मौजूदा चैम्पियन जापान की युवी सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। विनेश इस मुकाबले में अंतिम मिनट में 0-2 से पीछे हो गयीं थी पर इसके बाद उन्होंने जबदस्त वापसी करते हुए अंतिम 30 सेकंड में बाजी पलट दी।

विनेश को 50 किलो वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती में कठिन ड्रॉ मिला है। इसमें उनका पहला ही विश्व की नंबर एक सुसाकी से हुआ। इसमें विनेश ने अपनी प्रदर्शन से विरोधी खिलाड़ी को पटखनी दे दी। इससे तय है कि विनेश का लक्ष्य पदक जीतना है।

विनेश और उनकी विरोध खिलाड़ी के बीच शुरुआत में कड़ा मुकाबला हुआ। पहले दौर में सुसाकी को एक अंक मिला। विनेश को आक्रामक रुख नहीं अपनाने के कारण रैफरी ने चेताया था ऐसे में 30 सेकंड में उन्हें हमला करना था पर वह नहीं कर पायीं। ऐसे में विरोध पहलवान को अंक मिल गया।

पेरिस ओलंपिक : नीरज चोपड़ा फाइनल में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदों टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे। पहले ग्रुप में भारत के हाथ

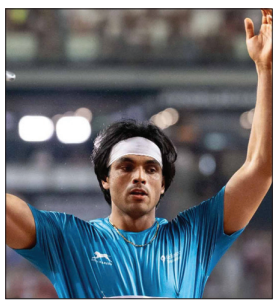

नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए।

नीरज के अलावा पाकिस्तान के उनके प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम ने भी पहले ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वलिफाई कर लिया।

बंगलादेश में हालात खराब, महिला टी20 विश्वकप के लिए वैकल्पिक स्थलों का चयन

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल के आखिर में बंगलादेश में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप आयोजन के लिए वैकल्पिक स्थल के रुप में भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका को चिन्हित किया है। आईसीसी के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि बंगलादेश की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी विकल्प खुले रखे गए हैं।

आईसीसी के बयान में कहा गया, 'आईसीसी, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं में सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और

उनकी देख-रेख शामिल है।' बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। इस तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में चिन्हित किया है। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में पिछले कुछ हफ्तों से सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत की सरकारों ने सोमवार के घटनाक्रम के बाद अपने नागरिकों को बंगलादेश की यात्रा नहीं करने की सलाह जारी की है। ये तीनों देश टी-20 विश्वकप का भी हिस्सा हैं।

दक्षिण अफीका के नये बल्लेबाजी कोच बने इमरान

केप टाउन । पूर्व क्रिकेटर इमरान खान दक्षिण अफ्रीका के नये बल्लेबाजी कोच होंगे। इमरान के पास केवल एक मैच का अनुभव है, ऐसे में उन्हें कोच बनाये जाने से सभी हैरान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि इमरान को नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। इस क्रिकेटरने साल 2009 में एक टेस्ट मैच खेला था। वह पिछले पांच साल से डॉल्फिस टीम के कोच थे। इमरान अभी अफ्रीकी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी कोच एश्वेल प्रिंस निजी कारणों से इस दौरे से बाहर हैं। इमरान डॉल्फिस के कोच के रूप में काफी सफल रहे हैं। साल 2020-21 और 2022-23 में उनके कोच रहते हुए टीम ने एक चार दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। इसके अलावा 2020-21 के एकदिवसीय कप में उनकी टीम संयुक्त रूप से विजेता रही थी। इसके अलावा उनकी टीम तीन बार सीएसए टी-20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची थी। इमरान के कार्यकाल के दौरान ही कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना पाये हैं। इसने कीगन पीटरसन,केशव महाराज, सारेल ईवी जैसे खिलाड़ी शामिल है। अपने करियर के दौरान इमरान को टेस्ट प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 161 प्रथम श्रेणी मैचों में 9367 रन बनाए थे। इसमें 20 शतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने 121 लिस्ट ए और 51 टी-20 मैच भी खेले थे।

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने

इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलंपिक खेलों में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे। वर्ल्ड चैंपियनशिप - उन्होंने 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीते।

जरुरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आये राहुल और आथिया

मुंबई । क्रिकेटर केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी सेव द चिल्ड्रन इंडिया नाम से जाने जाने वाले बच्चों के विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाएंगे। ये फाउंडेशन जरुरतमंद बच्चों की पढ़ाई के साथ ही अन्य कई जरुरतों का ध्यान रखता है। राहुल और अथिया ने एक विशेष क्रिकेट नीलामी का भी आयोजन किया है, जिसमें स्टार खिलाड़ी दिग्गज अपनी कोई बहुत ही प्रिय वस्तु दान करेंगे और फाउंडेशन के लिए वित्तीय सहायता जुटाएंगे। इसके लिए ये अन्य दिग्गजों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं। राहुल और अथिया ने राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसे प्रसिद्ध और सम्मानित क्रिकेटरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों; जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी इस बारे में संपर्क किया है। राहुल ने कहा. स्कूल में मेरा पहला दौरा बहुत भावुक था और बच्चों ने मुझे इस महान पहल में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। नीलामी विपला फाउंडेशन द्वारा बच्चों को एक बेहतरीन शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए किए जा रहे कार्य काम का समर्थन करने का हमारा तरीका है। जब मैंने क्रिकेट बिरादरी से संपर्क किया, तो उन्होंने भी इस महान उद्देश्य के लिए अपने कीमती क्रिकेट सामान दान करने में उतना ही सहयोग किया।

प्रो कबड्डी लीग आगामी सीजन के लिए रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

मुंबई (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। प्रत्येक फ्रैंचाइजी ने खिलाड़ियों के एक मजबूत कोर ग्रुप को बरकरार रखा है और अब वे सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन की मदद से एक मजबूत टीम का निर्माण करना चाह रही है।

दबंग दिल्ली के.सी. ने आशु मलिक और नवीन कुमार की अपनी रेडर जोड़ी को अपने साथ बरकरार रखा है। इस बीच, सीजन 10 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले स्टार रेडर और कप्तान असलम इनामदार को पुनेरी पल्टन ने बरकरार रखा है। इसके अलावा, जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को बरकरार रखा है। देशवाल पिछले सीजन में टीम के कप्तान भी थे।

कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में बरकरार रखा गया, जिनमें से 22 एलीट

रिटेन्ड प्लेयर्स (ईआरपी) श्रेणी से, 26 रिटेन्ड यंग प्लेयर्स (आरवाईपी) श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी (ईएनवाईपी) से हैं।

जिन खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया गया उनमें पवन सेहरावत, परदीप नरवाल, मनिंदर सिंह, फज़ल अत्राचली और मोहम्मदरेज़ा शादलोई चियानेह जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी 15-16 अगस्त 2024 को मुंबई में होने वाले पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर ऑक्शन में नीलामी के लिए जाएंगे।

घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर नीलामी में चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। ये श्रेणियां- ए, बी, सी और डी होंगी। खिलाड़ियों को प्रत्येक श्रेणी में 'ऑल-राउंडर', 'डिफेंडर' और 'रेडर' के रूप में उप-विभाजित किया जाएगा।

प्रत्येक श्रेणी के लिए बेस प्राइस
श्रेणी ए - 30 लाख रुपये
श्रेणी बी - 20 लाख रुपये
श्रेणी सी - 13 लाख रुपये
श्रेणी डी - 9 लाख रुपये

सीज़न 11 के प्लेयर पूल में 500 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 की दो फाइनलिस्ट टीमों के 24 खिलाड़ी भी शामिल होंगे। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी के पास अपने दल को बनाने के लिए कुल 5 करोड़ रुपये का सैलरी पर्स मिला है।

डब्ल्यूआर बनी विश्व ब्लिट्ज़ टीम शतरंज चैंपियन , भारत की एमजीडी1 रही उपविजेता

अस्ताना, कज़ाकिस्तान । विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के ठीक अगले दिन शतरंज के सबसे छोटे फॉर्मेट ब्लिट्ज़ शतरंज की विश्व टीम चैंपियनशिप पहली बार खेली गयी जिसका खिताब विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन के नेतृत्व वाली डब्ल्यूआर चैस टीम नें भारत की टीम एमजीडी 1 को एक करीबी मुक़ाबले में 3-1 से पराजित करते हुए अपने नाम कर लिया , दोनों टीम के बीच हुए बेस्ट ऑफ 2 फाइनल में एमजीडी 1 पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी की कार्लसन के जीत के बाद भी 3.5-2.5 से हार गयी , हालांकि दूसरे मुक़ाबले में टीम नें वापसी की पर मुक़ाबला 3-3 से ड्रॉ रहा और उन्हे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा । इससे पहले टीम एमजीडी1 नें क्वाटर फाइनल में टीम अशडोड क्लब और सेमी फाइनल में रैपिड की विजेता अल एन को पराजित किया वहीं डब्ल्यूआर टीम नें क्वाटर फाइनल में जीएम हंस टीम और सेमी फाइनल में टीम चैसी को पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया । इस तरह डब्ल्यूआर टीम नें स्वर्ण, एमजीडी1 नें रजत और सेमी फाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक दिया गया ।

साउथ अफीका टी20 लीग से जुड़ेंगे दिनेश कार्तिक, ऐसा कीर्तिमान करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली । भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने ऐसा कारनामा किया है जो अभी तक किसी भारतीय क्रिकेटर ने नहीं किया। दरअसल, कार्तिक दक्षिण अफ्रीका की मशहूर लीग एसए टी20 लीग में खेलते हुए दिखेंगे। आरसीबी से संन्यास लेने के बाद दिनेश कार्तिक एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। इस दौरान उन्होंने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंध करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेट बन गए हैं। आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 साल के कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और उन्हें आईपीएल टीम आरसीबी ने मेंटर सह बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है। वहीं एसए20 से जुड़ने के बाद दिनेश कार्तिक ने कहा कि, दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की मेरी बहुत सारी यादें हैं और जब ये अवसर आया तो मैं मना नहीं कर सका क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा।

बांग्लादेश में क्रिकेटर मशरफे मुर्तजा के घर में प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग

खेल डैस्क - बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे बिन मुर्तजा पर गुस्सा दिखाया है। गुस्साए लोगों ने मुर्तजा के घर को आग लगा दी है। यह घटना प्रधानमंत्री शेख हसीना के

इस्तीफा देने और सोमवार को बांग्लादेश छोड़ने के बाद हुई। बांग्लादेश में अभी अराजकता और अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि खुलना डिवीजन में नरैल-2 निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य मुर्तजा ने इस साल की शुरुआत में हुए आम चुनावों के दौरान अवामी लीग के उम्मीदवार के रूप में लगातार दूसरी बार अपनी सीट जीती थी। माना जा रहा है कि मुर्तजा ने छात्रों के प्रदर्शन और सामूहिक गिरफ्तारियों पर चुप्पी साधे हुए थी, इससे प्रदर्शनकारी निराश थे।

कौन है मशरफे बिन मुर्तजा

बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक माने जाने वाले मुर्तजा ने अपने करियर में 36 टेस्ट, 220 वनडे और 54 टी20ई खेले। उन्होंने सभी प्रारूपों में 117 मैचों में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की जो किसी भी बांग्लादेशी खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक है। अपने शानदार करियर के दौरान मुर्तजा ने 390 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए और 2,955 रन बनाए। वह अपनी गति, सटीकता और गेंद को दोनों तरफ स्विंग करने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। मुर्तजा के नेतृत्व कौशल की भी बहुत प्रशंसा की गई, क्योंकि उन्होंने बांग्लादेश को कई यादगार जीत दिलाई।

खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी , हर चीज के लिए महासंघ को दोष नहीं दे सकते:पादुकोण

पेरिस (एजेंसी)। महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य सेन के पदक नहीं जीत पाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं तो उन्हें जवाबदेह भी होना चाहिये। पादुकोण ने कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। साथ ही कहा कि हर बार खराब परिणाम के लिए महासंघ को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। लक्ष्य को इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर वह पुरुष एकल स्पर्धा में मलेशिया के जी जिया ली के खिलाफ हार के कारण पदक हासिल नहीं कर पाये। पादुकोण का मानना ??है कि एथलीटों को वह सब कुछ दिया गया जो उन्होंने मांगा था। इसलिए उन्हें अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिये।

पादुकोण ने कहा कि आप जानते हैं, जैसा कि मैंने कहा कि मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हमारे शीर्ष खिलाड़ियों के पास पदक जीतने का मौका था। उन्हें वह सब दिया गया जो वे चाहते थे, उन्हें कभी भी ना नहीं कहा गया, भले ही मांगें कभी-कभी सही नहीं थीं। खिलाड़ियों की ओर से भी प्रयास करने के साथ ही अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिये। थोड़ी अधिक जवाबदेही होनी चाहिए। एक बार जब आपको वह दे दिया जाता है, तो आपको जवाबदेह भी होना होगा। मुझे लगता है कि पिछले ओलंपिक में मैंने ऐसा कहा था। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेना सीखना होगा। मुझे लगता है कि शीर्ष खिलाड़ियों को युवा पीढ़ी को रास्ता दिखाना होगा।

लक्ष्य की हार एक और उदाहरण है जब एक भारतीय एथलीट उस समय प्रदर्शन करने में विफल रहा जब यह सबसे ज्यादा जरुरत थी। वहीं निशानेबाज अर्जुन बाबुता पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे जबकि मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मैच में तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोम्मदेवरा को भी हार का सामना करना पड़ा। निशानेबाज माहेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरुका स्कीट मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल नहीं कर पाये। पादुकोण ने कहा कि महासंघ, फाउंडेशन, अकादमियां, केवल इतना ही कर सकते हैं कि सभी सुविधाएं प्रदान करें पर प्रदर्शन तो खिलाड़ियों को ही करना होगा। साथ ही कहा कि खिलाड़ी उतना अधिक प्रदर्शन और मेहनत नहीं कर रहे जितना ओलंपिक पदक के लिए जरुरत होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में बायोटेक इंडस्ट्री का कारोबार हर साल करीब 11 अरब डॉलर का है। सरकार ने 2025 तक इसकी कैपेसिटी को 100 अरब डॉलर पहुंचाना तय किया है। इस वजह से इस सेक्टर में आगामी सालों में नौकरियों के सबसे ज्यादा मौके नजर आ रहे हैं।

बायोटेक इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं

हमारे देश में बायोटेक इंडस्ट्री हर साल 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। भारत में हर साल इसका कारोबार करीब 11 अरब डॉलर का है। सरकार ने 2025 तक इसकी कैपेसिटी को 100 अरब डॉलर पहुंचाना तय किया है। इस वजह से इस सेक्टर में आगामी सालों में नौकरियों के सबसे ज्यादा मौके नजर आ रहे हैं। नेशनल बायोटेक्नोलॉजी डेवलपमेंट स्ट्रेटजी के अनुसार अगले पांच साल में इस सेक्टर में 7 से 8 लाख नई नौकरियां मिलने का अनुमान है। यानी हर साल एक लाख से भी ज्यादा नौकरियां यहां मिल सकती हैं।

जरूरत से कम प्रोफेशनल्स यानी मौके ही मौके

इस सेक्टर में कितना स्कोप है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि देश के 300 से ज्यादा संस्थानों से करीब 50 हजार बायोटेक प्रोफेशनल हर साल निकलते हैं, लेकिन इस इंडस्ट्री में हर साल करीब 80 हजार प्रोफेशनल्स की जरूरत है।
बायोटेक्नोलॉजी की डिग्री ले चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ड्रग एंड फार्मास्युटिकल, केमिकल, एनवायरनमेंट, वेस्ट मैनेजमेंट, एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग और बायो प्रोसेसिंग के क्षेत्र में हैं। इसके इलावा अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों में रिसर्च साइंटिस्ट, मार्केटिंग मैनेजर, क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन, एनालिस्ट, सेफ्टी स्पेशलिस्ट जैसे पदों पर उनके लिए अवसर हो सकते हैं। इसके अलावा देशभर में 100 से ज्यादा रिसर्च लैबोरेटरी हैं, जिनमें हर साल हजारों लोगों को नियुक्त किया जाता है।

कहां से कर सकते हैं कोर्स?

बायोटेक्नोलॉजी के यूजी और मास्टर कोर्स देशभर के संस्थानों में मौजूद हैं। साइंस स्ट्रीम में 10+2 कर चुके छात्र अंडरग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी का बीटेक कोर्स कुछ आईआईटी संस्थानों में भी उपलब्ध है। इसमें प्रवेश जेईई एडवांस के आधार पर मिलता है और हर सीट के लिए 100 से ज्यादा आवेदक होते हैं। साइंस, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी या मेडिसिन में बैचलर डिग्री ले चुके छात्र मास्टर कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अधिकतर संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के जरिए एडमिशन मिलता है।

सैलरी

यूजी कोर्स करने के बाद एंट्री लेने वाले छात्रों का शुरुआती पैकेज 3 से 4 लाख रुपए सालाना तक हो सकता है। एक दो साल के अनुभव के बाद यह रकम 6 लाख से ज्यादा हो सकती है। मास्टर या पीएचडी डिग्री ले चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ज्यादा होते हैं और उन्हें पैकेज भी ज्यादा मिलता है। रिसर्च संस्थानों में काम करने वाले प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 5 लाख रुपए तक का पैकेज मिल सकता है।

देश में हैं 800 से ज्यादा कंपनियां

देश में बायोटेक्नोलॉजी की 800 से ज्यादा कंपनियां हैं। इसके अलावा देशी-विदेशी संस्थाओं में भी छात्रों के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं।कृषि, हेल्थकेयर व अन्य क्षेत्रों में बढ़ा उपयोग देश की 50 फीसदी से ज्यादा आबादी के जीवनयापन का जरिया कृषि है, लेकिन घटती पैदावार खाद्य सुरक्षा के लिए संकट है। बायोटेक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल से हालात में सुधार हो सकते हैं। हेल्थकेयर, एनवायरनमेंट, इंडस्ट्रियल प्रोसेसिंग, फूड इंडस्ट्री आदि में भी ये तकनीकें कारगर हो सकती हैं। बायोफार्मा सेक्टर अकेले ही देश की अर्थव्यवस्था में 2 अरब डॉलर से ज्यादा का योगदान दे सकता है।

अगर आप वर्ल्ड के टॉप बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने का ख्वाब संजो रहे हैं इसके लिए बस आपको थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी। हम आपको बता रहे हैं इन स्कूलों में दाखिले के लिए जाने वाले ऐसे टेस्ट के बारे में जिनको पास करके आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

दुनिया के बेस्ट बी स्कूलों में दाखिले के लिए दें यह टेस्ट

हर किसी का सपना होता है कि वह जिस स्कूल से अपनी शिक्षा ग्रहण करें वह दुनिया के टॉप स्कूलों में से हो। अगर आप वर्ल्ड के टॉप बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने का ख्वाब संजो रहे हैं इसके लिए बस आपको थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी। हम आपको बता रहे हैं इन स्कूलों में दाखिले के लिए जाने वाले ऐसे टेस्ट के बारे में जिनको पास करके आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं। पहला जीमैट यानि Graduate Management Admission Test - GMAT और दूसरा जीआरई Graduate Record Examination - GRE। बहुत से स्टूडेंटस जीमैट और जीआरई की अहमियत और मान्यता को लेकर कंफ्यूज रहते हैं। दरअसल जीमैट एक इंटरनेशनल लेवल का टेस्ट है जिसे देकर आप दुनिया के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के एमबीए, मास्टर ऑफ अकाउंटेंसी और मास्टर ऑफ फाइनेंस जैसे मैनेजमेंट कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। वहीं जीआरई एक जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट है जिसके जरिए सभी पोस्ट ग्रेजुएट और डॉक्टोरल प्रोग्राम में एडमिशन लिया जा सकता है। ज्यादातर छात्र, जो कि विदेश से एमबीए करना चाहते हैं, जीमैट परीक्षा ही देते हैं। जीमैट एमबीए के लिए एक स्पेशलाइज्ड टेस्ट है।

क्या है दोनों में फर्क

जीमैट और जीआरई दोनों ही एक तरह से एप्टीट्यूड टेस्ट है। लेकिन इन दोनों परीक्षाओं की प्रकृति और सामग्री अलग-अलग होती है। जीमैट टेस्ट का स्कोर 5 साल के लिए मान्य रहता है। साल में किसी भी समय आप www.mba.com पर जाकर इसके लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। दुनिया भर में इसके 600 टेस्ट सेंटर हैं।

जीमैट का स्कोर 82 देशों के करीब 1600 संस्थान स्वीकार कर रहे हैं। भारत के 90 से ज्यादा बी-स्कूल जीमैट स्कोर के आधार पर एडमिशन देते हैं।

जीआरई का बढ़ता चलन

कुछ सर्वेक्षणों के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में मैनेजमेंट कोर्सेज के लिए जीआरई देने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है। ब्रिटेन और अमेरिका में बड़ी तादाद में बी-स्कूल जीआरई में हासिल किए अंकों के आधार पर ही दाखिला दे रहे हैं। वैसे तो जीआरई कंप्यूटर और पेपर-बेस्ड दोनों फॉरमेट में करवाया जाता है लेकिन भारत में यह सिर्फ कंप्यूटर बेस्ड फॉरमेट में ही होता है। दुनिया भर के 1200 से ज्यादा संस्थान इस टेस्ट के स्कोर को स्वीकार करते हैं। इसे भी साल में अधिकतम पांच बार दिया जा सकता है। दो प्रयासों में कम से कम 21 दिन का गैप जरूरी हो।

कौन दे सकता हैं ये टेस्ट

वैसे तो इन परीक्षाओं को ग्रजुएट उम्मीदवार बैठ सकते हैं लेकिन विभिन्न संस्थानों का चयन का तरीका एक-दूसरे से अलग हो सकता है। एक साल में 5 बार जीमैट दिया जा सकता है। लेकिन दो प्रयासों के बीच में 16 दिन का अंतराल होना जरूरी है।

इंटरव्यू के दौरान अपनाएं यह ट्रिक्स

आज के दौर में जॉब पाना मुश्किल होता जा रहा है। कई बार ऐसा होता है कि आपने इंटरव्यू के लिए कितनी मेहनत की होती है। कई बार ऐसा लगता है कि हमने इंटरव्यू में पूछे सारे सवालों का सही जवाब दिया था, फिर ऐसा क्या हुआ कि हमें जॉब के लिए बुलावा क्यों नहीं आया। इसके पीछे कई सारे कारण हो सकते है , लेकिन ज्यादातर यह होता है कि आपसे संतुष्ट नहीं होते, या आप सवालों के जवाब इतने प्रभावी तरीके से नहीं दे पाते।

इंटरव्यू का मकसद सिर्फ कर्मचारी के बारे में जानने या उससे मिलने के लिए नहीं लिया जाता, बल्कि कंपनी में ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारी इंटरव्यू के बहाने आपके बारे में भी बहुत कुछ जान लेते हैं। इसलिए किसी भी जगह इंटरव्यू देते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि इंटरव्यू में लेने वाले अधिकारियों पर अपना पॉजीटिव प्रभाव छोड़ सकें।

पहली कंपनी की बुराई ना करें

कई बार लोग इंटरव्यू के दौरान अपने पहले जॉब को कोसते है और संस्थान के बारे में जी भर कर बुराई करते है। इन बातों का इंटरव्यू लेने वालों पर निगेटिव असर होता है। असल में हर बड़ी कंपनी के नियम, स्ट्रक्चर और व्यवस्थाएं लगभग एक जैसी ही होती हैं। इसलिए ऐसी बातों से जॉब न मिलने की आशंका बढ़ जाती हैं। जिनके साथ काम करते हैं, उन्हें कम न समझें जब भी किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाएं तो यह ध्यान रखें कि पहले के संस्थान में काम करने वाले किसी कैंडिडेट के बारे निगेटिव न बोलें। इंटरव्यू लेने वाले के सामने अपने आप को बढ़ा चढ़ा कर पेश ना करें। कोई भी कंपनी हो वह ऐसे कैंडीडेट को ज्यादा तवज्जो देती है जो खुद से निकलकर टीम भावना को लेकर चलता है।

ध्यान न भटकने दें

इंटरव्यू के दौरान अपना ध्यान सिर्फ वहीं फोकस रखें। एक इंटरव्यू के दौरान दूसरे जॉब के बारे में न सोचें। इससे हो सकता है कि आपके आव-भाव में कहीं कोई कमी नजर आने लगे। इससे आप सवालों का सहज जवाब भी नहीं दे पाते। इंटरव्यू में गलती से भी किसी फोन कॉल को अटेंड न करें। इंटरव्यू के बाद आप भले ही कॉल बैक कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको इंटरव्यू लेने वाले अधिकारी कमरे से बाहर भी निकाल सकते हैं।

अतिरिक्त प्रयास करने से बचें

बहुत से लोग इंटरव्यू पैनल को खुद करने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास करते हैं। यह सही तरीका नहीं होता है। अगर आप ऐसा करते है तो हो सकता है कि इंटरव्यू पैनल को लगे कि आपमें अपने जवाब को लेकर आत्मविश्वास की कमी है, इस वजह से आप अपने जवाब पर बार-बार जो दे रहे हैं। ऐसे कंडिडेट के सेलेक्ट होने के चांस कम होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन

इंटरव्यू के दौरान यह ध्यान रखें कि आपका पहला इंप्रेशन बहुत प्रभावी होता है। आपकी ड्रेस, आपकी एंट्री इंटरव्यू पैनल पर प्रभाव छोड़ते हैं। कोशिश करें कि पहले सवाल के जवाब देने के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज में आत्मविश्वास हो। कंपनी के बारे में रखें जानकारी इंटरव्यू से पहले ज्यादातर लोगों को कंपनी के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती ।आपके पास कितनी भी स्किल्स हो या आपकी क्वालिफिकेशन्स आपको योग्य उम्मीदवार साबित करती हो लेकिन कंपनी के बारे में जानकारी न होना आपके लिए रेड सिग्नल साबित हो सकता है।

औरों में कहाँ दम था ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर तोड़ा दम, नहीं निकल सकती लागत

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम था' शुक्रवार 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को लेकर लंबे समय से हाइफ क्रिएट की जा रही थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत काफी कमजोर रही। अजय और तब्बू की जोड़ी दर्शकों के खासी लोकप्रिय है और दर्शक इस जोड़ी को देखना पसन्द करते हैं, लेकिन इस बार लगता है कि उनका जादू नहीं चल पाया। फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। बजट के हिसाब से देखा जाए तो इसका कलेक्शन काफी कम रहा। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर मात्र 2 करोड़ रुपए कमाए हैं। फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपए के करीब बताया जा रहा है। जानकारों का मानना था कि फिल्म को करीब 5-6 करोड़ रुपए की ओपनिंग तो मिलनी चाहिए थी। इसके बावजूद उम्मीद की जा रही है कि शनिवार और रविवार को इसके कारोबार में सुधार होगा। अब यह सुधार कितना होगा यह तो नहीं कहा जा सकता है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि अपने पहले वीकेंड में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ तक का कारोबार करने में कामयाब हो जाएगी। इस हिसाब से देखा जाए तो अजय देवगन की औरों में कहाँ दम इस वर्ष की पहली बड़ी असफल फिल्म होगी, क्योंकि अजय की इससे पहले इस साल आई दो फिल्मों ने अपने पहले दिन इसकी तुलना में कहीं अच्छा बिजनेस किया था। अजय की माधवन के साथ आई फिल्म 'शैतान' को तो बहुत अच्छा रिस्पोंस मिला था। इसने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए बटोरे थे। फिल्म ने ओवरऑल 200 करोड़ से ज्यादा कमाए थे।

अरिजीत ने पोस्टपोन किया लाइव कॉन्सर्ट

अरिजीत सिंह वर्तमान समय में हिन्दी फिल्म उद्योग के बेहतरीन गायकों में शुमार हैं। कमोबेश हर संगीतकार अपना संगीतबद्ध गीत अरिजीत सिंह से गवाना पसन्द करता है। फिल्मों में गीत गाने के साथ-साथ अरिजीत स्टेज पर भी अपनी परफार्मस देते रहते हैं। ऐसा ही उनका एक लाइव कॉन्सर्ट 11 अगस्त को ब्रिटेन में होने वाला था, लेकिन बताया जा रहा है कि उन्होंने इस कॉन्सर्ट को पोस्टपोन कर दिया है। इसका कारण उन्होंने यह बताया है कि उनका स्वास्थ्य सही नहीं है, जिसके चलते वे इस कॉन्सर्ट की तैयारी नहीं कर सकते हैं। अरिजीत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, डियर फैंस, मुझे ये बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अचानक से मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ गई है, जिसकी वजह से मुझे मजबूरन अगस्त के कॉन्सर्ट को पोस्टपोन करना पड़ा। मैं जानता हूं कि आप बेसब्री से इन शोज का इंतजार कर रहे थे और मैं इसे पोस्टपोन करने के लिए तहेदिल से माफी मांगता हूं। आपका प्यार और सपोर्ट मुझे ताकत देगा। आइए इस विराम को और भी जादुई री-यूनियन के वादे में बदल दें। इस कॉन्सर्ट की नई डेट 15 सितंबर को (लंदन), 16 सितंबर (बर्मिंघम), 19 सितंबर (रॉटरडैम) और 22 सितंबर (मैनचेस्टर) है। अभी खरीदे गए टिकट तब वैलिड रहेंगे। अरिजीत ने इसके साथ ही फैंस को थैंक्स बोला।

मैं यहां जीतने आई थी और जीत गई

देश के सबसे लोकप्रिय शो बिग बॉस के ओटीटी संस्करण के तीसरे सीजन का समापन हो गया। इस शो को सना मकबूल ने यह शो जीत लिया है। सितारों से सजे फिनाले इवेंट में अनिल कपूर ने विजेता के रूप में सना के नाम की घोषणा की। मुखर से अपनी बात रखने और रणनीतिक खेल के लिए जानी जाने वाली सना मकबूल ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी और 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार जीता। शो की विजेता बनने के बाद एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में सना ने बिग बॉस के घर के अंदर के अपने अनुभव साझा की। साथ ही, उन्होंने शो में होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि बिग बॉस के घर में मिली-जुली भावनाएं होती हैं। सना ने कहा, पहले दो हफ्ते सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, चीजें बदलती चली जाती हैं। जो लोग साथ बैठते थे वे आपके बारे में बुरा-भला कहने लगते हैं और जो साथ नहीं बैठते वे आपकी पीठ पीछे और भी ज्यादा बातें करने लगते हैं। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा आया जब मैं बिल्कुल अकेली रह गई। घर में अलग-अलग समूह बनने लगे। फिर एक पल ऐसा आया जब मेरे दोस्त दूर होने लगे और ऐसा लगा कि मेरे जो दोस्त थे, जो मुझे समझते थे, मुझे लाड़-प्यार करते थे और मुझे हंसाते थे, वे अब नहीं रहे। उनके साथ रहना, उनके साथ खाना-पीना अच्छा लगता था। मेरे लिए कुछ और मायने नहीं रखता था, क्योंकि ये चार लोग मेरे साथ थे, लेकिन जैसे-जैसे वे जाने लगे, यह और भी बुरा लगने लगा और घर मेरे खिलाफ होता चला गया। लेकिन मुझे लगता है कि यह मेरी दृढ़ इच्छाशक्ति थी कि आपको हार नहीं माननी चाहिए और मैं बहुत केंद्रित थी। कई बार अलग-थलग महसूस करने के बावजूद सना अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहीं। इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं यहां जीतने के लिए आई थी और मैंने जीत हासिल की। अपने प्रशंसकों और साथी प्रतियोगियों के समर्थन उन्होंने दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे प्यार करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे जिद्दी सना से जिद्दी विजेता सना में बदल दिया है। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय रैपर नैजी को दिया, जिन्होंने उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास किया। फिनाले में रैपर नैजी, अभिनेता रणवीर शौरी और साई केतन राव और कंटेंट क्रिएटर कृतिका मलिक सहित अन्य फाइनलिस्ट भी शामिल थे। नैजी दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रणवीर को तीसरे स्थान पर संतुष्ट होना पड़ा।

कल्कि 2898 एडी की सफलता के लिए दीपिका ने जताया आभार

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफलता के झंडे गाड़ रही है। फिल्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद हाल ही में दीपिका पादुकोण ने अपने फैंस के साथ वर्चुअली रूप से जुड़ीं। उन्होंने फिल्म को दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। कैजुअल लुक में डेनिम जैकेट पहने दीपिका फैंस के साथ जुड़कर बेहद खुश नजर आईं।

फैंस से बातचीत कर खुश हुई दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने फैंस से बातचीत के दौरान सवालों का जवाब देते हुए बातचीत में गर्मजोशी ला दी। इस दौरान फैंस के प्रति अभिनेत्री का भरपूर प्यार देखने को मिला। उनके उिस स्वभाव से उनके प्रशंसकों के चेहरे पर भी मुस्कान खिल उठी। सभी फैंस ने दीपिका को एक के बाद एक बड़ी सफल फिल्में देने के लिए उनको बधाई देना शुरू कर दिया। अभिनेत्री ने फैंस के साथ अपने शानदर पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया है।

लगातार कई सफल फिल्में दे चुकीं दीपिका पठान, जवान, फाइटर और अब कल्कि 2898 एडी समेत दीपिका पादुकोण ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई सफल फिल्में दी हैं। उनकी ये सफलताएं उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित करती हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित कल्कि 2898 एडी को एक मेगा ब्लॉकबस्टर के रूप में सराहा गया है। फिल्म में अभिनेत्री मे गर्भती महिला का किरदार निभाया है। फिल्म में दीपिका के साथ प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी नजर आई हैं।

लेडी सिंघम के किरदार में आएंगी नजर

दीपिका इन दिनों अपनी प्रेगनेंसी को एंजॉय कर रही हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण सितंबर में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की उम्मीद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली की राहें हुईं जुदा?

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली नंदा के बीते लंबे समय से रिश्ते में होने की अफवाहें हैं। लेकिन, न तो कभी सिद्धांत और न ही कभी नव्या ने अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। हालांकि, दोनों को कई दफा साथ में स्पॉट किया गया। वहीं, इनके कथित रिश्ते की फुसफुसाहट तब शुरू हुई जब दोनों ने एक-दूसरे के सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणियों का आदान-प्रदान करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब इस कथित जोड़ी के प्रशंसकों के लिए दुखद खबर सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दोनों अब अलग हो गए हैं और ब्रेकअप पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण था। साथ ही दो परिपक्व वयस्कों की तरह, दोनों एक-दूसरे के दोस्त बने रहेंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, ब्रेकअप की अफवाह ने उनके प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया है कि वास्तव में उनके रिश्ते में क्या गलत हुआ कि उन्हें ब्रेकअप का निर्णय लेना पड़ा। हालांकि, न तो सिद्धांत और न ही नव्या ने सार्वजनिक रूप से ब्रेकअप की पुष्टि की है, लेकिन उनकी हालिया सोशल मीडिया गतिविधि से उनके बीच दूरी का पता चलता है। उनके ब्रेकअप की खबर ने प्रशंसकों को निराश कर दिया है, लेकिन वे इस जोड़े को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि वह सिंगल नहीं हैं और किसी को डेट कर रहे हैं। वह लड़की फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हुई है लेकिन कोई अभिनेत्री नहीं है। सिद्धांत की पुरानी बातों का इशारा भी नव्या की तरफ जा रहा था। एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि दोनों अपने रिश्ते को लेकर काफी ज्यादा सीरियस हैं। ऐसे में सामने आई दोनों के ब्रेकअप की खबर ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। काम के मोर्चे पर, सिद्धांत चतुर्वेदी अब बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 में दिखाई देंगे। उनके अलावा, फिल्म में खूबसूरत अभिनेत्री तृप्ति डिमरी भी होंगी। फिल्म का निर्देशन जहां शाजिया इकबाल कर रही हैं। वहीं इसका निर्माण करण जौहर, उमेश केआर बंसल, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता, मीनू अरोरा और सोमेन मिश्रा कर रहे हैं।

वेब सीरीजचंगेज में राजस्थानी किरदार निभाएंगे समर्थ जुरेल

टीवी अभिनेता समर्थ जुरेल के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। समर्थ जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज होने वाली है, जिसे इसी साल रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, समर्थ जुरेल जिस वेब सीरीज में अभिनय करते दिखेंगे, उसका नाम चंगेज है। इसका निर्देशन जजविंदर सोढ़ी द्वारा किया जा रहा है। इसकी कहानी एक गैंगस्टर पर आधारित है। कहा जा रहा है कि समर्थ राजस्थानी रोल में दिखाई देंगे। वेब सीरीज चंगेज में समर्थ जुरेल के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता यशपाल शर्मा भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इन दोनों के अलावा चित्तरंजन त्रिपाठी और उज्ज्वल चोपड़ा भी इसमें काम करते हुए दिखेंगे। फिलहाल सीरीज के मुख्य कलाकारों के बारे में खुलासा होना बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही आधिकारिक तौर पर पूरी स्टारकास्ट के बारे में जानकारी दे दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, चंगेज की टीम ने हाल ही में, अपने चंडीगढ़ शेड्यूल का काम खत्म किया है। इसकी शूटिंग काफी पहले से चल रही थी और अब बचे हुए हिस्सों को फिल्माने का काम किया जाएगा। कहा जा रहा है कि बची हुई शूटिंग को मुंबई में पूरा किया जाएगा। मालूम हो कि समर्थ जुरेल टीवी शो उडारियां और मैत्री में काम कर चुके हैं।

गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से आखिर क्यों शादी नहीं करना चाहते अर्जुन रामपाल, बताई वजह!

अर्जुन रामपाल इन दिनों फिल्मों से कम और अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में ज्यादा रहते हैं। इससे पहले अर्जुन ने मेहर जेसिया के साथ अपनी असफल शादी के बारे में कई बाते बताई थीं। अब अर्जुन ने अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के साथ उनके रिश्ते के बारे में खुलकर बातचीत की है। साथ ही अर्जुन ने शादी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया बताई, कि आखिर वो क्यों अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से शादी नहीं करना चाहते हैं। बता दें अर्जुन पिछले पांच सालों से गैब्रिएला को डेट कर रहे हैं। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने अपने रिश्ते के लिए गैर-पारंपरिक रास्ता चुना है। यह जोड़ा तकरीबन पिछले पांच सालों से साथ में है और उनके दो बेटे भी हैं, लेकिन उन्होंने शादी करने का विकल्प ही नहीं चुना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन रामपाल ने एक नए इंटरव्यू के दौरान कहा, शादी लोगों को बदल सकती है। आखिरकार एक कागज का टुकड़ा ही है। इसके साथ ही अर्जुन ने कहा कि उनके दिमाग में वह पहले से ही गैब्रिएला से शादीशुदा हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने एक शो के दौरान कहा, यह मैं नहीं हूं, यह वह नहीं है। शादी क्या है? आखिर एक कागज का टुकड़ा ही तो है। मुझे लगता है कि हम पहले से ही शादीशुदा हैं और इस बारे में मेरे मन में कोई संदेह नहीं है। लेकिन, कभी-कभी शादी का कागज का टुकड़ा भी आपको बदल सकता है। क्योंकि ऐसा लगता है कि यह स्थायी है, वास्तव में यह एक गलत धारणा है, लेकिन आप कानूनी रूप से बंधे हुए हैं।

आगे अर्जुन ने यह भी कहा, शादी एक-दूसरे के प्रति आपके नजरिए को बदल सकता है। मुझे लगता है कि हम दोनों ऐसा ही महसूस करते हैं। हमारे बीच जो कुछ भी हुआ वह बहुत स्वाभाविक है। मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता क्योंकि मैं इसे बदकिस्मत नहीं बनाना चाहता। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी के सामने इसे सही ठहराने की जरूरत है। हमारे लिए, यह खूबसूरत है। आपको इसे जितना हो सके उतना लंबे समय तक अनुभव करना चाहिए। हम दोनों के मन में हम दोनों ही एक-दूसरे से शादीशुदा हैं। हम दोनों एक-दूसरे को सही दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं और साथ ही हम बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने आगे यह भी कहा कि वह शादी के खिलाफ नहीं हैं। आगे अर्जुन ने कहा, मैं किसी को यह सलाह नहीं दे रहा हूं और ना ही आपको शादी के खिलाफ जाने के लिए कह रहा हूं। हो सकता है कि हम शादी कर लें। आप कभी नहीं जानते। अर्जुन ने पहले मेहर जेसिया से शादी की थी, उनकी शादी तकरीबन 20 साल तक चली। इस शादी से उनकी दो बेटियां हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने अपने तलाक के बारे में बात करते हुए मेहर से अलग होने की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ली।

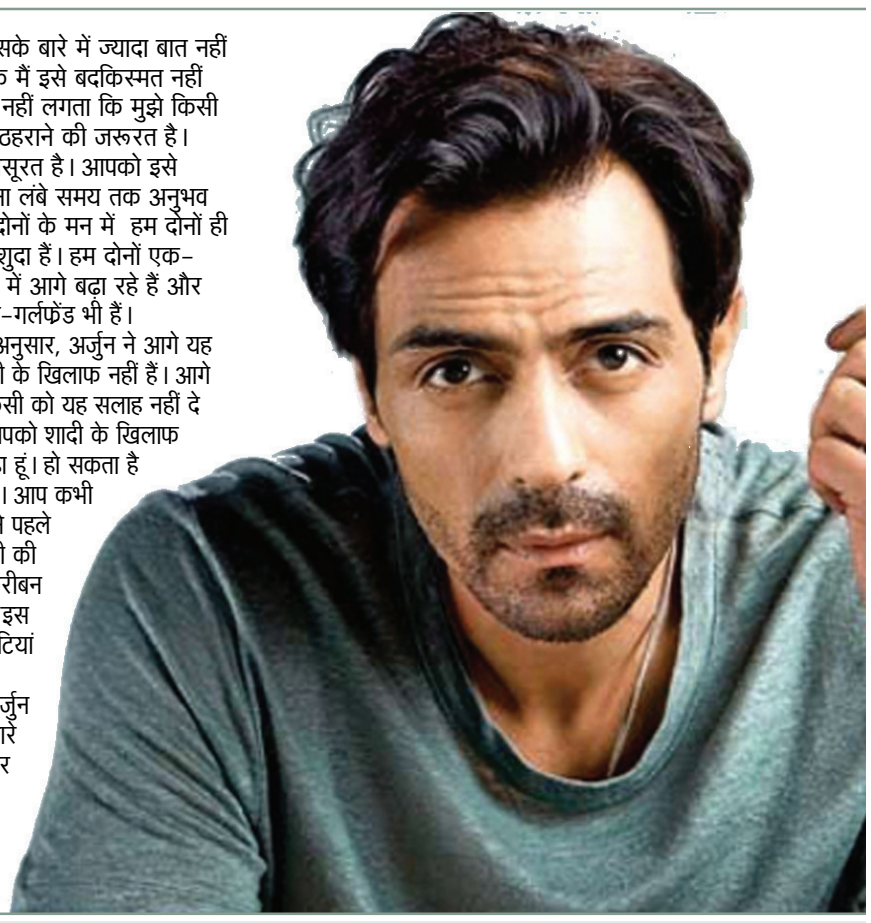

बांग्लादेश में मुस्लिम कर रहे मंदिरों की हिफाजत, सेना भी तैनात

-छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने कहा- शांतिपूर्ण तरीके से करें विरोध

ढाका। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के बीच कुछ छात्रों ने एक मुहिम शुरू कर दी है। यह लोग बारी-बारी से मंदिरों की रक्षा कर रहे हैं, ताकि प्रदर्शनकारी मंदिरों को निशाना न बना सकें। गौरतलब है कि नरसिंगदी जिले के कांदीपारा गांव में काली मंदिर पर हमला हुआ है। रात के तीन बजे ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर की पहरेदारी करते हुए छात्रों के विजुअल्स वायरल हो रहे हैं। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ चुकी हैं और सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। बांग्लादेश के मुस्लिम धर्मगुरु भी मंदिरों की हिफाजत कर रहे हैं। इसके अलावा हिंदू इलाकों में सेना तैनात है। बांग्लादेश में देशव्यापी आंदोलन के समन्वयकों ने छात्रों से यह तय करने को कहा कि पीएम शेख हसीना के पद से हटने के बाद देश में पैदा हुई स्थिति में किसी को भी लूट का मौका न मिले। इसके साथ ही समन्वयकों ने छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का आग्रह किया है। आंदोलन के समन्वयकर्ताओं में से एक नाहिद इस्लाम ने छात्रों से कहा कि वर्तमान स्थिति में किसी को भी लूट करने का मौका न मिले। नाहिद ने कहा कि हमें अपनी राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा करनी है। इस अवसर पर किसी को भी लूटने का मौका नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने छात्रों से शांतिपूर्वक सड़कों पर बैठने की अपील करते हुए कहा कि उनके आंदोलन का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा दमनकारी व्यवस्था में सुधार करना भी है। ढाका में, बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने कहा कि हसीना ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है और एक अंतरिम सरकार कार्यभार संभालने जा रही है।

तालिबान से निपटने, पाकिस्तान ने उसके दुश्मन से मिलाया हाथ

इस्लामाबाद । तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच दशकों से बहुत करीबी संबंध रहे हैं। हालांकि अफगानिस्तान में साल 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही दोनों देशों के बीच रिश्ते खराब हुए हैं। पाकिस्तानी सेना चाहती है कि तालिबानी सरकार टीटीपी आतंकियों के खिलाफ एक्शन ले। वहीं तालिबान का कहना है कि टीटीपी के आतंकी खुद पाकिस्तानी इलाके में सक्रिय हैं। टीटीपी आतंकी लगातार पाकिस्तानी सेना पर खूनी हमले कर सैनिकों की जान ले रहे हैं। पाकिस्तान सरकार ने चीन के रास्ते तालिबान पर दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। इस बीच खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी सेना ने तालिबान को सबक सिखाने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत (आईएसकेपी) से हाथ मिला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार और सेना अब आईएसकेपी का इस्तेमाल अफगान तालिबान पर दबाव बनाने के लिए कर रही है। पाकिस्तान इसके जरिए चाहता है कि तालिबान टीटीपी के आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे। पाकिस्तान की सेना आईएसकेपी के आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने और सपोर्ट मुहैया करा रही है। आईएसकेपी आतंकियों के ठिकाने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां, बाजौर, दिर और बलूचिस्तान में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की सेना अभी भी ब्रिटिश कालीन नीतियों पर चलती है और उसी हिसाब से देश की सरकार की नीतियों को बनाती है। इन्हीं नीतियों के कारण वहां अलग-थलग पड़ गया है। पाकिस्तान ने अपने देश में कश्मीरी आतंकियों को पाला और इसका ठीकरा पड़ोसी अफगानिस्तान पर फोड़ दिया। पाकिस्तान कश्मीर में हिंसा के लिए 1 दर्जन आतंकी संगठन पैदा किए हैं ताकि अपने राजनीतिक लक्ष्य को पा सके। ये आतंकी अब भारतीय सेना पर लगातार खूनी हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान अब अपनी इसी नीति को तालिबान के खिलाफ भी लागू कर रहा है जो कभी उसका करीबी मित्र था। पाकिस्तान की सरकार ने एक नया संगठन बनाया है जिसका नाम जभात अल रिबात रखा गया है ताकि तालिबानी सरकार के खिलाफ प्रोपेगैंडा को बढ़ाया जा सके। इस संगठन के सदस्य कौन हैं, इसकी जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि संगठन को पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी स्थित मुख्यालय से चलाया जा रहा है।

न्यूजीलैंड के एक पायलट की हत्या... विद्रोही समूह का हाथ

जकार्ता । इंडोनेशिया के पापुआ क्षेत्र से न्यूजीलैंड के एक पायलट की हत्या का मामला सामने आया है। विद्रोही फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन (ओपीएम) ने पापुआ क्षेत्र में उतरने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड के एक पायलट की हत्या की और जिस हेलीकॉप्टर को वह चला रहा था, उसमें से कुछ लोगों को बंधक बना लिया।

इंडोनेशियाई सैन्य-राष्ट्रीय पुलिस संयुक्त अभियान के अनुसार, न्यूजीलैंड के नागरिक और पीटी इंतान अंगकासा एयर सर्विस के पायलट ग्लेन मैल्कम कोनिंग (50) की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

हेलीकॉप्टर में सवार यात्रियों को बनाया बंधक

ब्रिगेडियर जनरल फैजल रामधनी ने कहा कि अलगाववादी सशस्त्र समूह ने हेलीकॉप्टर को जला दिया जो मध्य के मिमिका जिले के एक दूरदराज के गांव अलामा में उतरा था। ओपीएम की तरफ से कॉनिंग के खिलाफ बंधक बनाने और हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। बता दें कि इस हेलीकॉप्टर में चार यात्री, दो स्वास्थ्य कर्मी, एक शिशु और एक बच्चा सवार थे। हेलीकॉप्टर ने मोसेस किलांगिन टिमिका एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इंडोनेशियाई सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय पुलिस ने न्यूजीलैंड पायलट की हत्या के लिए जिम्मेदार विद्रोहियों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि बाद में बंदूकधारियों ने यात्रियों को रिहा कर दिया था।

नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार

ढाका। बांग्लादेश में इन दिनों आगजनी और भीषण हिंसा हो रही है। प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई हैं। इस बीच बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मौजूदा संसद को भंग करने का ऐलान किया है। देश में जल्द ही अंतरिम सरकार का गठन होगा। इस दौरान जमात-ए-इस्लामी और छात्र शिबिर ने अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों के अन्य धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करने को कहा है। वहीं भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के कोऑर्डिनेटर छात्र समूह ने एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें कहा है कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ.मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार होंगे। अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों के नामों के प्रस्ताव भी साझा किए जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, छात्र आंदोलन के प्रमुख कोऑर्डिनेटर में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि उन्होंने पहले ही डॉ. यूनुस से बात की है। देश के मौजूदा हालात देखकर उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। बता दें कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में आगजनी और भीषण हिंसा के बीच भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर भारतीय सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलर्ट पर है। बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी लगातार दूसरे दिन भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के दौरे पर हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने ऐलान किया है कि संसद को भंग कर जल्द ही देश में अंतरिम सरकार बनाई जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया को भी तुरंत रिहा करने का फैसला लिया गया। इसके अलावा राष्ट्रपति ने विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी छात्रों को रिहा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने हिंसा में शामिल लोगों को निष्पक्ष जांच के जरिए सजा दिलाने का वादा किया है।

पाकिस्तान में इस साल आतंकवादियों से लड़ाई के दौरान 139 सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि 2024 के पहले सात महीनों के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ जारी लड़ाई में अधिकारियों सहित 139 सैनिकों की जान चली गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों को सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। जिसमें सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के व्यापक आतंकवाद विरोधी प्रयासों और पेशेवर गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों और एलईए ने देश भर में 23,622 खुफिया-आधारित ऑपरेशन किए। कुल मिलाकर 2,045 ऑपरेशन अकेले पिछले 15 दिनों में किए गए। शरीफ ने पाकिस्तानी सेना, खुफिया एजेंसियों, पुलिस और अन्य एलईए के अथक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों के दौरान 24 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारी ने कहा कि सरकार ने आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल-खवारिज (बाहरी विद्रोह) और सभी संबंधित आतंकवादियों को खारिजी (बहिष्कृत) करार दिया है।

फ्लोरिडा में आये तूफान डेबी के बाद एक रहवासी परिसर तक पहुंचा पानी।

नॉस्त्रेदमस ने किताब में कहा था- जब सूख जाएगी धरती तो आएगी बाढ़

- भारत-चीन में दिख रहा असर, एक और भविष्यवाणी सच साबित हो रही

पेरिस। नास्त्रेदमस ने कई भविष्यवाणियां की हैं, जिनमें से कई सच भी साबित हो रही हैं। उन्होंने हिटलर का उदय, अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी की हत्या, कोविड-19 की शुरुआत के बारे में सटीक भविष्यवाणी की थी। अब ऐसा लगता है कि 2024 के लिए उनकी एक बड़ी भविष्यवाणी भी सच हो गई है। 2024 के लिए नास्त्रेदमस ने कहा था कि सूखी धरती और भी ज्यादा सूख जाएगी और जब ऐसा होगा तो बाढ़ आएगी। इस भविष्यवाणी का असर भारत और चीन में दिख भी रहा है, जहां भीषण गर्मी के बाद बाढ़ से चार सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। एशिया में इस साल को मानसून और तूफान का मौसम कहा जाता है, लेकिन जलवायु परिवर्तनों ने इन तूफानों को तेज कर दिया है। भारी बारिश से भूस्खलन और बाढ़ जैसी हालत पैदा हुए हैं। फसलें तबाह हो गई और मकान बह गए। भारत के वायनाड में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। कीचड़ और पानी के मलबे ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में अब तक 361 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 200 से ज्यादा अभी भी लापता होने की खबर है। इसके साथ ही टाइफून गेमी के चलते फिलीपींस में 30 से ज्यादा और ताइवान में दस की मौत हुई है। चीन के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में हैं। हुनान प्रांत में बारिश के बाद एक पर्यटन स्थल पर आए भूस्खलन से 15 लोगों की मौत हो गई। जिक्सिंग शहर में बाढ़ में 30 लोगों के मारे जाने है, जबकि 35 लापता हैं। बता दें नास्त्रेदमस एक फ्रांसीसी भविष्यवक्ता थे। 1503 में जन्मे नास्त्रेदमस ने अपनी जीवन काल में कई भविष्यवाणियां की, जिसे अपनी किताब लेस प्रोफेटीज में संकलित किया।

हसीना के बेटे का खुलासा कहा- देश छोड़ना नहीं चाहतीं थीं मां, अब वो राजनीति में कभी नहीं आएंगी

ढाका (एजेंसी)। अमेरिका में मौजूद शेख हसीना के बेटे और पूर्व मुख्य सलाहकार सजीब वाजेद जॉय ने बातचीत में खुलासा किया है कि शेख हसीना बांग्लादेश छोड़कर नहीं जाना चाहती थीं। लेकिन परिवार के दबाव के बाद उन्होंने ऐसा किया। सजीब वाजेद ने बातचीत में कहा कि अब हम (बांग्लादेश) पाकिस्तान बन जाएंगे। उनका इशारा कट्टरपंथ को लेकर है। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उनकी मां ने देश के लिए अच्छा काम किया। इस पर उन्होंने कहा, बिल्कुल आवामी लीग अभी भी देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी बनी हुई है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका वापसी का कोई प्लान है। इसे लेकर उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं, वह 77 साल की हैं। यह उनका आखिरी कार्यकाल होने वाला था और इसके बाद वह रिटायर होने वाले थीं।

एक इंटरव्यू में कहा कि बांग्लादेश अब पाकिस्तान जैसा हो जाएगा। उन्होंने कहा, वह वहीं रहना चाहती थीं, वह बिल्कुल भी देश नहीं छोड़ना

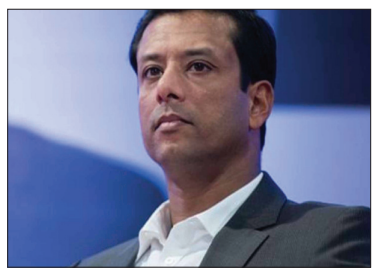

चाहती थीं। लेकिन हमने इस बात पर जोर दिया कि यह उनके लिए सुरक्षित नहीं है। हम सबसे पहले उनकी शारीरिक सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। इसलिए हमने उन्हें देश छोड़ने को मना किया। उन्होंने कहा, मैंने आज सुबह उनसे बात की। बांग्लादेश में अराजकता वाली स्थिति आप देख सकते हैं। वह अच्छी हैं लेकिन वह बहुत निराश हैं। यह उनके लिए निराशाजनक हैं, क्योंकि बांग्लादेश को एक विकसित राष्ट्र बनाना उनका सपना था और पिछले 15 वर्षों से उन्होंने इसे लेकर बहुत मेहनत की है। इसे उग्रवादियों और आतंक से सुरक्षित रखा और इन सबके बावजूद मुखर अल्पसंख्यक, विपक्ष, उग्रवादियों ने अब सत्ता पर कब्जा कर लिया है।

जनवरी में जीत हासिल कर वह लगातार चौथी बार सत्ता में आई थीं। लेकिन सात महीने से भी कम समय में उन्हें अपना देश छोड़ना पड़ गया। एक मिलिट्री हेलीकॉप्टर में वह अपनी बहन के साथ शरण लेने के लिए भारत पहुंचीं। हालांकि उनके बेटे ने कहा कि उन्होंने इस बारे में चर्चा नहीं कि आखिर वह अब कहां जाएंगी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में चुनाव होगा, लेकिन इस समय हमारी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। मुझे नहीं लगता कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कैसे होंगे। हम क्या कर सकते हैं यह हमने पहले बता दिया है। हमारे परिवार ने बांग्लादेश में विकास कर दिखाया है। अगर बांग्लादेश के लोग खड़े होने के इच्छुक नहीं हैं तो लोगों को वही नेतृत्व मिलेगा, जिसके वे हकदार हैं।

चीन से गदगद पाकिस्तान बोला- जो उसने किया है वो अमेरिका भी नहीं कर सकता

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। लाहौर के मॉडल टाउन स्थित आवास पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा कि अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारा जाना चाहिए, लेकिन यह पाक और चीन के बीच संबंधों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। एक पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने कहा कि चीन ने देश के लिए जो किया है, वह अमेरिका कभी नहीं कर सकता।

चीन और पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का दूसरा चरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में चीन के विशेषज्ञ पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। चीनी विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने चीन से फिर से कर्ज का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, अगर चीन द्वारा पाकिस्तान सरकार को कर्ज चुकाने के लिए पांच से सात वर्ष का समय दिया गया तो देश में बिजली

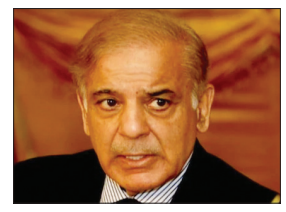

के दामों के साथ-साथ महंगाई को कम किया जा सकेगा। इस दौरान, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने देश में चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी प्रतिबद्धता जताई। कुछ समय पहले पाकिस्तान के विदेश विभाग ने भी कहा था कि बेहतर संबंधों के लिए चीन के साथ रिश्तों की कुर्बानी नहीं दे सकते। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा ने कहा, हमारे लिए अमेरिका के साथ रिश्ते और चीन के साथ रिश्ते, दोनों ही जरूरी हैं।उन्होंने कहा, हम इस बात में यकीन नहीं रखते कि एक देश के साथ संबंधों के लिए दूसरे देश के साथ रिश्तों की कुर्बानी दे दी जाए। उन्होंने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान चीन के साथ अपना संबंध मजबूत करना जारी रखेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ भी रिश्तों को अहम करार दिया है।

ब्रिटेन सरकार की मांग, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में हो बांग्लादेश हिंसा की जांच

लंदन। बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब ब्रिटेन सरकार ने इसकी स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच की मांग की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। बांग्लादेश अब अंतरिम सरकार का इंतजार कर रहा है और सेना प्रमुख प्रदर्शनकारियों से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे लगता है हिंसक विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अब स्थिति सामान्य हो सकती है। इस आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जो 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के परिवारों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली के साथ शुरू हुआ था, जिसमें युवा बेरोजगारी ज्यादा थी। जैसे-जैसे अशांति बढ़ती गई, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया उनके आवास परिसर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर से देश छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना ने भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। लंदन जाने की योजना है लेकिन लंदन प्रशासन की ओर से उन्हें शरण देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य तय करने के लिए कार्रवाई देखना चाहता है, लेकिन उन्होंने शेख हसीना के आगमन का उल्लेख नहीं किया है।

कमला हैरिस को सोशल मीडिया पर 4 हजार बार धमकी देने वाले पर चलेगा मुकदमा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से एक युवक इतना गुस्सा हो गया कि उसने एक दो बार नहीं बल्कि हजारों पर उन्हे जान से मारने की धमकी दे डाली। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक फ्रैंक लुसियो कैरिलो ने कमला हैरिस, राष्ट्रपति जो बाइडन, एफबीआई के डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे सहित एरिजोना राज्य के कई अधिकारियों और अन्य लोगों को दक्षिणपंथी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गेटर पर कई धमकियां दी थीं। एफबीआई ने कैरिलो की 4,359 पोस्ट पाईं, जिनमें कमला हैरिस सहित दूसरे कई सराकरी अधिकारियों को निशाना बनाया गया था। अदालत के रिकॉर्ड के मुताबिक अपनी कई पोस्ट में कैरिलो ने कथित तौर पर हैरिस की आंखें निकालने की धमकी दी और उपराष्ट्रपति को मारने के विभिन्न तरीकों को विस्तार से सामने रखा। कैरिलो ने कथित तौर पर एक अपशब्द भरे भाषण में लिखा कि 'मैं तुम्हारी आंखें निकाल दूंगा। उसने उम्मीद जताई कि कमला हैरिस धीमी पीड़ादायक मौत मरेगी। अदालत के रिकॉर्ड में कई ऐसे ही पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ-साथ अन्य लोगों के खिलाफ बड़ी और साफ धमकियां दी गई हैं। जिसमें 2023 में एक इस्लामोफोबिक पोस्ट भी शामिल है। जिसमें उसने लिखा था कि लोगों को अपनी बंदूकें लेकर बाहर जाना चाहिए और सभी मुसलमानों को मार देना चाहिए। जब एफबीआई एजेंट पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में कैरिलो के घर पहुंचे, तो कैरिलो ने कहा कि 'मैंने इसे पोस्ट किया है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार कैरिलो ने यह भी कहा कि 'मुझे लगता है कि मुझे एक वकील की जरूरत पड़ेगी। संघीय एजेंटों ने उनके घर से दो हथियार बरामद किए, जिसमें 2023 में खरीदी गई एक पिस्तौल और इस साल खरीदी गई एक राइफल शामिल है।

ब्रिटेन सरकार की मांग, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में हो बांग्लादेश हिंसा की जांच

-पूर्व पीएम शेख हसीना के लंदन में शरण मांगने का नहीं किया जिक्र

लंदन (एजेंसी)। बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब ब्रिटेन सरकार ने इसकी स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में जांच की मांग की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। बांग्लादेश अब अंतरिम सरकार का इंतजार कर रहा है और सेना प्रमुख प्रदर्शनकारियों से मिलने की योजना बना रहे हैं, जिससे लगता है हिंसक विद्रोह के बाद बांग्लादेश में अब स्थिति सामान्य हो सकती है। इस आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जो 1971 के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के परिवारों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली के साथ शुरू हुआ था,

जिसमें युवा बेरोजगारी ज्यादा थी। जैसे-जैसे अशांति बढ़ती गई, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया उनके आवास परिसर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर से देश छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना ने भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। लंदन जाने की योजना है लेकिन लंदन प्रशासन की ओर से उन्हें शरण देने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य तय करने के लिए कार्रवाई देखना चाहता है, लेकिन उन्होंने शेख हसीना के आगमन का उल्लेख नहीं किया है। लैमी ने कहा बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंसा और जान-माल की हानि हुई है। सेना प्रमुख द्वारा एक संक्रमणकालीन अवधि की घोषणा की गई है। अब सभी पक्षों को हिंसा को खत्म करने, शांति बहाल करने, स्थिति को कम करने और किसी भी तरह की जान-माल की हानि को रोकने के लिए मिलकर काम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के लोग पिछले कुछ हफ्तों में अराजक स्थिति की पूर्ण और स्वतंत्र संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली जांच के हकदार हैं, जहां आरक्षण प्रणाली के खिलाफ आंदोलन हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों में बदल गया। लैमी ने इस बात पर भी जोर दिया कि ब्रिटेन और बांग्लादेश के लोगों के बीच गहरे संबंध हैं और राष्ट्रमंडल के मूल्य साझा हैं। इस बीच अमेरिका ने कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और आग्रह करता है कि शेख हसीना के जल्दबाजी में इस्तीफे के बाद वहां अंतरिम सरकार का गठन लोकतांत्रिक और समावेशी हो। इसने शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद सेना के संयम की भी सराहना की गई है।

भारत पर टेड़ी नजर रखने वाली चीन समर्थक खालिदा जिया जेल से हुई रिहा

ढाका(एजेंसी)। पड़ोसी देश में तेजी से बदलते घटनाक्रमों के बीच में यह खबर निकल कर सामने आई है कि शेख हसीना के भारत के लिए उडान भरते साथ ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने आदेश दिया की जेल में बंद पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को जेल से रिहा कर दिया जाए। खालिदा जिया को रिहा करने का फैसला राष्ट्रपति ने विपक्षी पार्टियों के साथ हुई मीटिंग के बाद लिया।

सूत्रों के मुताबिक इस मीटिंग में तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया था। इस मीटिंग में खालिदा जिया की रिहाई के साथ- साथ उन सभी लोगों की रिहाई को भी मंजूरी दे दी गई जो कि इस आंदोलन के दौरान गिरफ्तार हुए हैं। खालिदा जिया और शेख हसीना को राजनैतिक दुश्मनी विरासत में मिली थी। 1975 में शेख मुजीब की हत्या के बाद खालिदा के पति जहूर रहमान ने बांग्लादेश की सत्ता संभाली थी। बाद में जहूर रहमान की भी 1981 में हत्या कर दी गई थी। इसके बाद इन दोनों परिवारों के बीच में एक तरह की दुश्मनी पैदा हो गई, जो समय के साथ राजनैतिक दुश्मनी में बदल गई। अपने भारत में बिताए समय, पिता के रिश्तों और मॉर्डन ख्यालातों के कारण शेख हसीना का रुख भारत को लेकर नर्म रहा तो वहीं उनकी विरोधी खालिदा जिया को चीन समर्थक माना जाता है। वह पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करती रहीं हैं। उनके प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए भारत और बांग्लादेश के संबंध लगातार खराब ही होते रहे हैं। खालिदा जिया बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी अध्यक्ष हैं उन्हें 2018 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते 17 साल की सजा सुनाई गई थी। वह फिलहाल हॉस्पिटल में भर्ती हैं।खालिदा जिया बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बी एन पी की अध्यक्ष हैं वह आवामी लीग की शेख हसीना की सबसे कट्टर विरोधी मानी जाती हैं। उन दोनों की राजनैतिक लड़ाई को बांग्लादेश में बेगमों की लड़ाई कहा जाता है। शेख हसीना 1996 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनी थी उसके बाद शेख हसीना और खालिदा जिया एक के बाद एक प्रधानमंत्री बनती रहीं, जिससे इन दोनों की पार्टियों के बीच की कडवाहट ने बांग्लादेश की जनता को भी दो भागों में बांट दिया। आवामी लीग ने खुद को एक लोकतांत्रिक और मॉर्डन पार्टी के रूप आगे बढ़ाया तो वहीं खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी एक कट्टर इस्लामिक विचार धारा वाली पार्टी बनी।

पिछले कुछ हफ्तों से बांग्लादेश लगातार हिंसा का दौर देख रहा है। सोमवार को यह इतना भयानक हो गया कि प्रधानमंत्री आवास में लोगों ने घुस कर उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इस आंदोलन में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्र बाद में पीएम हसीना के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन करने लगे। हजारों लोगों ने हसीना के घरों पर पथराव किया और साथ में बांग्लादेशी संसद को भी निशाना बनाया।यह प्रदर्शन पूरे बांग्लादेश में हिंसक रूप से फैल गए। लोगों से सरकारी संपत्ति और आवामी लीग से जुड़े नेताओं पर हमलें करना

शुरू कर दिया। जैसोर में आवामी लीग के एक नेता के होटल में आग लगा दी गई, जिसमें करीब 8 लोग जिंदा जलकर मर गए। बांग्लादेश में इस तरह की कई घटनाएं देखने को मिली हैं, जिनमें अभी तक कई सौ लोगों के मारे जाने की खबर हैं। फिलहाल सेना ने कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है और अंतरिम सरकार गठन करने की घोषणा की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल की सुक्खू सरकार का बड़ा कदमः राज्य में कैंसर का इलाज होगा मुफ्त,टीका भी देगी सरकार

शिमला। (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने कैंसर के मरीजों के लिए बड़ी घोषणा की है। राज्य में मुफ्त इलाज के साथ 40 हजार रुपए की कीमत वाला टीका भी मुफ्त में लगाया जाएगा। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह घोषणा की है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में कैंसर से ग्रसित मरीजों को मुफ्त दवाइयां प्रदान की जाएंगी और उनका इलाज भी पूरी तरह से निःशुल्क पूरा किया जाएगा। उन्होंने यहां स्टेट एडवाइजरी बोर्ड ऑन कैंसर एंड पल्लिएटिव केयर प्रोग्राम की प्रथम बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। हिमाचल प्रदेश कैंसर के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर आ गया है। यह चिंता का विषय है तथा इसी के दृष्टिगत कैंसर के मरीजों को राहत प्रदान करने के लिए यह क्रांतिकारी निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा विभिन्न सरकारी अस्पतालों में प्रदान की जाएगी।

मीटिंग के दौरान सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी अस्पतालों में कैंसर के मरीजों को उनके उपचार के लिए 42 दवाइयां मुफ्त प्रदान करेगी। इन दवाइयों को राज्य की अनिवार्य दवा सूची में शामिल किया गया है और इनमें कैंसर उपचार के लिए प्रयुक्त होने वाला ट्रासटूजूम्ब टीका भी शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 40 हजार रुपये होती है। ब्रैस्ट कैंसर के मरीज को इलाज के लिए वर्ष में ऐसे 18 टीकों की आवश्यकता होती है। इस टीके को उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक मरीज पर प्रदेश सरकार लगभग सात लाख रुपये व्यय करेगी। ये दवाइयां सरकारी अस्पतालों में लोगों के घर-द्वार के समीप उपलब्ध करवाई जाएंगी। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में कैंसर उपचार सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए 300 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए। इसके तहत 75 करोड़ रुपये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, कैंसर केयर हमीरपुर की आधारभूत संरचना, 75 करोड़ रुपये चमियाणा शिमला में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा तथा 150 करोड़ रुपये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हमीरपुर में विश्व स्तरीय कैंसर उपचार उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल सुपर स्पेशिएलिटी संस्थान चमियाणा में बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन की सुविधा भी आरंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री आरंभ की जाएगी। इसके तहत कैंसर के मामलों व संख्या का अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों में कैंसर के मामलों की स्क्रीनिंग के लिए एक जिला में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ (कर्नल) धनी राम शांडिल ने बैठक में सुझाव दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जन कल्याण को सर्वोच्च अधिमान दे रही है और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार कैंसर डे-केयर सेंटर चरणबद्ध तरीके से स्थापित कर रही है। प्रथम चरण में 13 अस्पतालों में कैंसर डे-केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। इसके दूसरे चरण में 27 हाई लोड सिविल अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में यह सेंटर स्थापित होंगे और तीसरे चरण में 28 संस्थानों में डे-केयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। कैंसर डे-केयर केन्द्रों में पेल्लीएटिव केयर यूनिट भी स्थापित किए जाएंगे।

बाढ़ प्रभावित लोगों का हाल जानने सांसद कंगना चढ़ीं पहाड़ की चोटियां

तबाही देखकर हुईं भावुक, धरती माता से की दया की प्रार्थना

शिमला।

मंडी से लोकसभा सांसद कंगना रनौत ने हिमाचल प्रदेश के दुर्गम इलाकों में जाकर बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की। तबाही के निशान देखकर वह भावुक नजर आईं और धरती माता से दया की प्रार्थना की। शिमला जिले के रामपुर में पिछले दिनों बादल फटने से भारी तबाही हुई। कंगना ने अपने टीम के साथ प्रभावित इलाकों के हालात का जायजा लिया और पीड़ित लोगों से मुलाकात की और उनका दुख-दर्द जाना। उन्होंने केंद्र सरकार तक प्रभावित लोगों की बात पहुंचाने और मदद का भरोसा दिलाया है। सड़क क्षतिग्रस्त होने की वजह से पीड़ितों तक पहुंचने के लिए कंगना को भी पहाड़ों पर पैदल चढ़ना पड़ा।

कंगना ने एक्स पर अपने दौरे की तस्वीरें साझा करते हुए धरती माता से दया की प्रार्थना की। कंगना ने लिखा-हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रही हूं। इस विशाल ब्रह्मांड में हम बेहद असुरक्षित हैं। हे धरती देवी, जीवन की माता, हम पर दया करो। कंगना ने कहा कि राज्य सरकार की हालत सभी को पता है। पिछली बार के विस्थापितों से वादा किया था कि केंद्र से जो फंड आया उससे सात-सात लाख सभी को दिए जाएंगे। क्या वो साल लाख मिला? गांव के लोग खुद अपने हाथों से पुल बना रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी अवश्य पैकेज भेजेंगे, उन्होंने पिछली बार भी 1800 करोड़ का पैकेज भेजा था, अब भी भेजेंगे और वो जाएगा सुक्खू जी को। मैं कहूंगी कि वह पैसे विस्थापितों मिलेगा या नहीं इस पर जांच शुरू की जाए।

हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ से जान गंवाने वालों की संख्या अब तक 14 हो गई, जबकि करीब 40 लोग अब भी लापता हैं। वहीं, सबसे ज्यादा नुकसान शिमला और कुल्लू जिले की सीमा पर स्थित समेज गांव को हुआ, जहां 30 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं।

टीम-30 की योगी ने ली बैठक.....चुनाव की कमान खुद संभाल रहे

लखनऊ । (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों में सभी दल जुटे है। भारतीय जनता पार्टी भी चुनाव की तैयारी में जुटने के लिए रणनीति तैयार कर रही है। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सरकार और संगठन दोनों मिलकर काम कर रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस चुनाव की कमान खुद संभाल रहे है। सीएम ने अयोध्या में मिल्कीपुर और अम्बेडकरनगर की कटेहरी सीट की जिम्मेदारी ली है। बता दें कि सीएम आवास पर हुई टीम-30 की बैठक में उपचुनाव की रणनीति बनाई गई। वहीं, मुख्यमंत्री सभी प्रभारी मंत्रियों से विधानसभावार अब तक की तैयारियों का जायज लिया। दरअसल, उपचुनाव की तैयारियों के लिए सीएम योगी ने 30 मंत्रियों की टीम बनाकर क्षेत्र में भेजा था। सीएम ने हर सीट पर तीन-तीन मंत्रियों की ड्यूटी लगाई है। वहीं, भाजपा प्रदेश संगठन की ओर से भी पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को बूथ स्तर तक के संगठन की स्थिति के साथ ही समुदायवार जनता से अलग-अलग संवाद करके भाजपा को लेकर फीडबैक जुटाने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने टीम-30 की यह तीसरी बैठक बुलाई थी। बैठक में सीएम ने फीडबैक लिया।

योगी के अलावा गठित 30 मंत्रियों की टीम, दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल भी दो-दो सीटों पर चुनावी तैयारियों पर नजर रखने वाले है। सीएम ने अयोध्या में मिल्कीपुर और अम्बेडकरनगर की कटेहरी सीट की जिम्मेदारी ली है। बता दें कि भाजपा के लिए मिल्कीपुर विधानसभा सीट जितना प्रतिष्ठा का सवाल है। मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद विधायक थे, अब अयोध्या से सांसद हैं। मिल्कीपुर का चुनावी प्रबंधन सीएम के हाथों में है।

तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई तीन महीने का लेंगे ब्रेक

नए प्रदेश अध्यक्ष की संभावना कम, यूके जाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बीजेपी ने पार्टी के तमिलनाडु अध्यक्ष के अन्नामलाई को फेलोशिप कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। वह तीन महीने के लिए यूनाइटेड किंगडम जा रहे हैं। बता दें अन्नामलाई को यूनाइटेड किंगडम फॉरेन ऑफिस के नेतृत्व और उत्कृष्टता कार्यक्रम के लिए शेवनिंग गुरुकुल फ़ेलोशिप के लिए चुना गया है, जो सितंबर में होना है। यह कार्यक्रम ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। अन्नामलाई के ब्रेक का अनुरोध करीब एक महीने से पेंडिंग था।मीडिया रिपोर्ट में बताया कि बीजेपी आलाकमान ने तीन महीने के लिए फेलोशिप जारी रखने और इस अवधि के दौरान पार्टी गतिविधियों से अस्थायी ब्रेक लेने के अन्नामलाई के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। पार्टी उनकी अनुपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष के लिए कोई अस्थायी नियुक्त नहीं करेगी ऐसी संभावना जताई जा रही है। हालांकि अन्नामलाई को एक महीने पहले फेलोशिप के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था, लेकिन उन्होंने और तमिलनाडु बीजेपी के अन्य नेताओं ने कहा था कि वह इसे तभी आगे बढ़ाएंगे जब पार्टी आलाकमान उन्हें इसकी इजाजत देगा। अन्नामलाई को तमिलनाडु बीजेपी इकाई का प्रमुख चुना गया था, वह कोयंबटूर से हार गए थे। अन्नामलाई बीजेपी के अकेले चुनाव लड़ने की वकालत कर रहे हैं, इस रुख के कारण अन्नाद्रमुक के साथ मनमुटाव हुआ, जिसकी परिणति लोकसभा चुनाव से पहले उनके विभाजन के रूप में हुई। एआईएडीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की आलोचना करने वाली उनकी टिप्पणियां एआईएडीएमके द्वारा लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के साथ अपने रिश्ते तोड़ने का एक प्रमुख कारण थीं। सूत्रों ने कहा कि पार्टी को अब भी अन्नामलाई पर भेरासा है, जिनकी आक्रामक शैली के बारे में माना जाता है कि उन्होंने तमिलनाडु में बीजेपी के लिए ठोस जमीन तैयार की है। राज्य की 39 लोकसभा सीटों में से 12 में बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए दूसरे स्थान पर है, जबकि अन्नाद्रमुक तीसरे स्थान पर रही।

संजय राउत बोले-विधानसभा चुनाव के लिए सीट-बंटवारे की प्रक्रिया करेंगे पूरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे मंगलवार से तीन दिन दिल्ली में रहेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक उद्धव ठाकरे संभवतः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और इंडिया गठबंठन के कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। ठाकरे के दिल्ली दौरे पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि यह एक राजनीतिक दौरा है। वह राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं से मुलाकात करेंगे। राउत ने कहा कि हम महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीट-बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना चाहते हैं। जैसा लोकसभा चुनाव में किया गया था, वैसा ही करेंगे। यह घटनाक्रम वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला के उस बयान के करीब एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती 20 अगस्त को महाराष्ट्र में चुनावी बिगुल फूंकेगी। राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा कि पार्टी इस आयोजन के लिए महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी उद्धव ठाकरे और राकांपा (सपा) अध्यक्ष शरद पवार को आमंत्रित किया है। मुंबई में होने वाले कार्यक्रम में राहुल गांधी और खड़गे भी मौजूद रहेंगे। चेन्निथला, जो महाराष्ट्र के एआईसीसी प्रभारी भी हैं, ने कहा कि एमवीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा सात अगस्त को होगी।

पार्टी की मुंबई इकाई की प्रमुख वर्षा गायकवाड़ के मुताबिक इसके अलावा, चेन्निथला ने आगामी विधानसभा चुनावों में रणनीति और मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य में सीटों के बंटवारे पर विपक्षी गठबंधन के दृष्टिकोण पर उद्धव ठाकरे के साथ बातचीत की है।

वायनाड हादसाः लापता लोगों की सूची जारी करेगी सरकार, पुनर्वास पैकेज का ऐलान

वायनाड। (एजेंसी)

केरल सरकार वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन के बाद लापता लोगों की सूची जल्द जारी करेगी। यह बात राजस्व मंत्री के राजन ने पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि सरकार लापता लोगों की एक सटीक सूची तैयार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सभी प्रभावितों का व्यापक पुनर्वास करना है। चूरलमाला और मुंडक्कई के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि वायनाड में पुनर्वास पहल पूरी दुनिया के लिए एक मॉडल होगी। उन्होंने आगे कहा कि आपदा के कारण हुए विनाश और नुकसान का जायजा लेने के लिए जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में तलाश अभियान मंगलवार को चालियार नदी घाटी पर जारी था। जिला प्रशासन ने बताया कि बचाव कर्मियों का एक विशेष दल हेलीकॉप्टर से नदी घाटी क्षेत्र में शवों और मानव अंगों की तलाश कर रहा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अजित कुमार ने बताया कि चालियार नदी के किनारे कुछ दुर्गम इलाके हैं, जहां पिछले दिनों कुछ लोग फंस गए थे और उन्हें सुरक्षित निकालना पड़ा था। उन्होंने कहा कि इसलिए, हमने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद न लेने और पुलिस के विशेष अभियान समूह व सैन्य कमांडो के दो दल बनाने का फैसला किया है, जिन्हें विमान से इन क्षेत्रों में उतारा जाएगा। केरल सरकार ने घोषणा की थी कि वह वायनाड के भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज लागू करेगी, जहां बचाव अभियान और राहत अभियान जारी हैं। भूमि अधिग्रहण किया जाएगा, मकान बनाए जाएंगे और पुनर्वास के लिए बुनियादी सुविधाएं जल्द से जल्द स्थापित की जाएंगी। केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला का दौरा करने के बाद कहा कि दुनिया भर से कई लोगों ने पुनर्वास प्रयासों के लिए मदद करने की पेशकश की है।

1975 का साल.....जब हसीना और उनकी बहन को इंदिरा ने दी शरण

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर फैली हिंसा और विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत आ गईं। हालांकि, उन्होंने ब्रिटेन से राजनीतिक शरण की मांग की है। जब तक ब्रिटेन हसीना को शरण नहीं मिल जाती तब तक शेख हसीना भारत में ही रहेंगी। भारत सरकार ने उनकी सरकार के पतन के बाद अंतरिम प्रवास की इजाजत दे दी है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की मुसीबत से बचने के लिए शेख हसीना भारत पहुंची है। इसके पहले 1975 में भी शेख हसीना और उनकी बहन ने भारत की शरण ली थी। तब वे 6 साल तक दिल्ली में रही थीं। 15 अगस्त 1975 को शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की उनके घर पर ही हत्या कर दी गई थी। उस दिन शेख हसीना के परिवार के 17 लोगों की हत्या कर दी गई थी। हालांकि, तब शेख हसीना और उनकी बहन जर्मनी में थीं, इसलिए वे बच गई थीं।

संकट में फंसी शेख हसीना और उनकी बहन को तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने भारत में राजनीतिक शरण दी थी। शेख हसीना और उनकी बहन दिल्ली में 6 साल तक रहीं। हालात सामान्य होने पर शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने और अपने पिता की राजनीतिक विरासत संभालने का फैसला किया। शेख हसीना को 16 फरवरी 1981 में आवामी लीग का अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद मई 1981 में वे भारत से बांग्लादेश पहुंचीं। यहां से उनके राजनीतिक करियर की नई शुरुआत हुई। हालांकि, 1980 का दशक उनके लिए अच्छा नहीं रहा। वे अलग अलग जगहों पर हिरासत में

रहीं। उन्हें 1984 में नवंबर तक हाउस अरेस्ट रखा गया। उनके नेतृत्व में 1986 में आवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा लिया। शेख हसीना संसद में विपक्ष की नेता चुनी गईं। शेख हसीना 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री बनीं। उन्होंने 2001 तक सत्ता संभाली। इसके बाद 2008 में वे फिर पीएम बनीं। इसके बाद वे 2014, 2018 और 2024 में भी आम चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बनीं।

संक्षिप्त समाचार

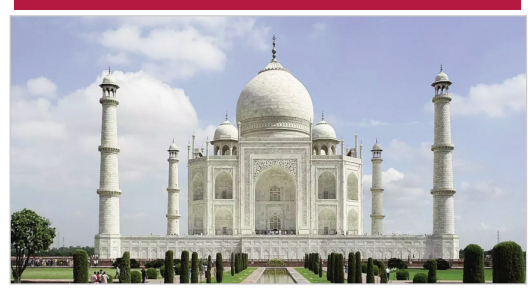

अब ताजमहल के मुख्य गुंबद पर पानी की बोतल नहीं ले जा सकेंगे पर्यटक

आगरा । हिंदूवादी संगठनों द्वारा ताजमहल में दो बार किए गए जलाभिषेक की घटनाओं के बाद एएसआई और सीआईएसएफ ने ताज के मुख्य गुंबद पर पानी की बोतल ले जाने पर रोक लगा दी है। अब चमेली फर्श से ऊपर पर्यटकों और गाइडों को पानी की बोतल नहीं ले जाने दी जाएगी। गौरतलब है कि, सोमवार को हिंदू महासभा की एक महिला पदाधिकारी ने ताजमहल पर जल चढ़ाते हुए भगवा झंडा भी लहराया। इससे दो दिन पहले मथुरा के दो युवकों ने भी मुख्य कब्र के तहखाने में गंगाजल चढ़ाया और ताजमहल की दीवार पर श्ओमश् का स्टिकर लगाकर गंगाजल चढ़ाया था। इन घटनाओं के बाद एएसआई और सीआईएसएफ की बैठक हुई और ताजमहल के मुख्य गुंबद पर सैलानियों द्वारा पानी की बोतल ले जाने पर रोक लगाने का फैसला किया गया। ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस वाजपेयी ने मंगलवार को बताया कि पर्यटक अब ताजमहल के मुख्य गुंबद पर पानी की बोतलें नहीं ले जा सकेंगे। गुंबद पर ज्यादा समय नहीं लगता, नीचे चमेली फर्श पर आकर पानी ले सकते हैं। फिर भी पर्यटकों की सुविधा के लिए एएसआई कर्मचारियों की टीम रहेगी, जो जरूरत पर पानी उपलब्ध कराएगी।

शिप्रा नदी से जहाज के माध्यम से खाड़ी देशों तक व्यापार

2100 वर्ष पुरानी मालव सभ्यता के पुख्ता प्रमाण

उज्जैन । विक्रम विश्वविद्यालय के पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ रमन सोलंकी और अश्विनी शोध संस्थान के निदेशक डॉक्टर आरसी ठाकुर ने 4000 पुरानी बस्ती के अवशेष को खोजा है।खुदाई के दौरान 4000 वर्ष पुरानी एक सील मिली है। ब्राह्मी और संस्कृत लिपि मे लेख भी मिला है। लेख के अनुसार सिपारा गांव से शिप्रा, चंबल नदी, यमुना, गंगा होते हुए खाड़ी के देशों तक व्यापार होने की जानकारी मिली है। रतलाम के आलोट तहसील के सिपारा गांव में कई पुरातत्व अवशेष प्राप्त हुए हैं। एक मिट्टी की मोहर मिली है। जिसमें तैरता जहाज और नीचे मछली कि आकृति दिखाई गई है। मोहर की आकृति से स्पष्ट होता है। शिप्रा नदी, चंबल से मिलते हुए यमुना, गंगा से अरब सागर के रास्ते को दर्शाती है। रतलाम उज्जैन के व्यापारी 2000 साल पहले नदी मार्ग से खाड़ी के देशों तक व्यापार करने के लिए जाते थे। इस जल मार्ग का उपयोग नदियों से होते हुए अरब सागर मे मिलता था। इस खोज से मालवा अंचल के श्रमद्ध होने और व्यापार के बारे में पता लगता है।खुदाई में 4000 वर्ष पुरानी बस्ती के अवशेष मिले हैं।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई, ईडी मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर मंगलवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट में आप नेता की जमानत याचिका का विरोध किया था, जिसमें दावा किया गया था कि उसके पास कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में उनकी गहन संलिप्तता दिखाने के लिए दस्तावेज हैं।न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने सिसोदिया के वकील अभिषेक सिंघवी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) एवं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलें सुनीं। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण एवं कार्यान्वयन में अनियमितताओं में कथित संलिप्तता को लेकर सिसोदिया को 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था

बांग्लादेश की जेल से भागे सैकड़ों आतंकी, भारत ने सुरक्षा एजेंसियों को किया अलर्ट

नई दिल्ली। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन और तख्तापलट की खबरों के बीच वहां से बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। इसी बीच खबर मिली है कि बांग्लादेश की जेल से कई आतंकी जेल तोड़कर भाग गए हैं। इसके चलते भारत ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। यह आतंकी जमात उल मुजाहिद्दीन संगठन के बताए जा रहे हैं। शेरपुरा जेल से 518 कैदी भाग गए हैं। ये हथियार लेकर भागे हैं। इसके साथ ही जेल को आग के हवाले कर दिया है। भारत बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। दस्तावेजों की छानबीन के निर्देश दे दिए गए हैं। वैलिड आईडी कार्ड रहने पर ही वह अपने गांव में दाखिल हो सकेंगे। बीएसएफ को निर्देश जारी कर दिए हैं। बांग्लादेश के साथ भारत हजारों किलोमीटर का बॉर्डर शेयर करता है। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता पर भारत नजर रख रहा है। कई आतंकी संगठन के आतंकी जो जेल में बंद थे उन्हें छुड़ा लिया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है लेकिन चार हजार किलोमीटर की सीमा पर हर जगह बीएसएफ को तैनात नहीं किया जा सकता है।

सचिन पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी

लापता व्यक्तिका विवरण-

तुलसी डी/ओ महेश्वर गोविंद बारिक उ.वि.-१९ लापता व्यक्ति मध्यम कद काठी, गोरा रंग, ऊंचाई लगभग ५*० इंच, कपड़े पहने हुए है तथा गालों पर पुराने तिल का निशान है, हिंदी भाषा समझता है इस फोटो में जो भी दिख रहा है

(१) तुलसी डी/ओ महेश्वर गोविंद बारिक उ.वि.-१९ निवासी-गु हां .बोर्ड सचिन सूरत

सूरत सचिन पुलिस स्टेशन फोन नंबर (०२६१)-२३९२२५८ और

(M) ९९२५०१३१८४ को उपरोक्त रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)